Web Portal
www.ghatatighatana.com

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -56 सोमवार ,26 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

अगर ऐसा होता,अगर वैसा होता-यह निठल्लों की भाषा है।

- अफलातून-

संक्षिप्त खबरें

लंबे समय तक ईडी को चकमा नहीं दे पाएंगे अनुब्रत मंडल

कोलकाता ,25 दिसंबर 2022 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों द्वारा तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल को पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के पशु तस्करी घोटाले के सिलसिले में पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाने की तैयारियों को झटका लगा है। 19 दिसंबर को नई दिल्ली में राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा ईडी को अनुब्रत मंडल को दिल्ली ले जाने की अनुमति देने वाले प्रोडक्शन वारंट को मंजूरी देने के कुछ ही घंटों बाद बीरभूम जिले के दुबराजपुर पुलिस स्टेशन में मंडल के खिलाफ हत्या का एक नया मामला सामने आया। अगले ही दिन बीरभूम जिले की एक निचली अदालत ने मंडल को सात दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जिससे ईडी की अनुब्रत को दिल्ली ले जाने की योजना पटरी से उतर गई।

कोर्ट ने की राहुल के खिलाफ अर्जी स्वीकार

लखनऊ ,25 दिसंबर 2022 (ए)। लखनऊ की एक अदालत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की है। शहर के एक वकील नृपेंद्र पांडे ने अपनी अर्जी में कहा था कि भारत जोड़ो यात्र के दौरान राहुल गांधी ने सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। न्यायाधीश अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने याचिका को स्वीकार करते हुए इसकी सुनवाई 9 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया।
पांडेय ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने 17 नवंबर को समाज में नफरत फैलाने की मंशा से विनायक दामोदर सावरकर को अंग्रेजों से पेंशन लेने की बात कही थी।

बाघ ने नाबालिग लड़की को बनाया अपना शिकार

बहराइच ,25 दिसंबर 2022 (ए)। बहराइच में चकिया वन परिक्षेत्र के पास एक बाघ ने 12 साल की एक बच्ची को मार डाला। जिगनिया गांव के तोताराम चौहान की बेटी अंजनी अन्य ग्रामीणों के साथ बकरियां चराने के लिए जंगल के पास सरयू नहर पर गई थी, तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया और जंगल में खींच ले गया। ग्राम प्रधान रईस खान ने कहा कि मोतीपुर पुलिस और वन विभाग को घटना की सूचना दे दी गई है। वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस ने बाद में घटनास्थल से करीब 700 मीटर दूर क्षत-विक्षत शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पाकिस्तान और चीन के लिए प्रलय को रोकना होगा मुश्किल

रक्षा मंत्रालय ने तैनाती को दी मंजूरी

नई दिल्ली,25 दिसंबर 2022 (ए)। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए लगभग 120 प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी है। इन मिसाइलों को चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर तैनात किया जाएगा। वर्तमान में प्रलय बैलिस्टिक मिसाइलें 150 से 500 किलोमीटर तक के लक्ष्य को भेद सकती हैं। इंटरसेप्टर मिसाइलों के माध्यम से दुश्मन के लिए इसे रोकना बेहद मुश्किल होगा।
वरिष्ठ रक्षा सूत्रों ने बताया, %रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक में सशस्त्र बलों के लिए लगभग 120 मिसाइलों के अधिग्रहण और सीमाओं पर उनकी तैनाती को मंजूरी दे दी गई है।% इन बैलिस्टिक मिसाइलों के अधिग्रहण को देश के लिए एक बड़े विकास के रूप में देखा जा रहा है, जिसकी अब ऐसी नीति है, जो सामरिक भूमिकाओं में बैलिस्टिक मिसाइलों के उपयोग की अनुमति देती है। चीन और पाकिस्तान दोनों के पास बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो सामरिक भूमिकाओं के लिए हैं। सूत्रों ने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा विकसित मिसाइल को और विकसित किया जा रहा है और अगर सेना चाहे तो इसकी सीमा को काफी बढ़ाया जा सकता है। 2015 के आसपास मिसाइल प्रणाली का विकास होना शुरू हुआ और इस तरह की क्षमता के विकास को दिवंगत जनरल बिपिन रावत ने थल सेनाध्यक्ष के रूप में बढ़ावा दिया। इस मिसाइल का पिछले साल 21 दिसंबर और 22 दिसंबर को लगातार दो बार सफल परीक्षण किया गया था।

प्रलय क्या है?

प्रलय एक अर्ध-बैलिस्टिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है। इंटरसेप्टर मिसाइलों को हराने में सक्षम होने के लिए उन्नत मिसाइल को एक तरह से विकसित किया गया है। यह मध्य हवा में एक निश्चित सीमा तय करने के बाद अपना रास्ता बदलने की क्षमता रखती है। प्रलय एक ठोस प्रणोदक रॉकेट मोटर और अन्य नई तकनीकों द्वारा संचालित है। इस मिसाइल को सबसे पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाएगा।
प्रस्ताव को रक्षा मंत्रालय के स्तर पर मंजूरी दे दी गई है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की मिसाइल प्रणाली का इस्तेमाल लंबी दूरी की दुश्मन वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य उच्च मूल्य वाले प्रतिष्ठानों और हथियारों को नष्ट करने के लिए किया जा सकता है।
इन मिसाइलों को शामिल करने के प्रस्ताव को ऐसे समय में मंजूरी दी गई है, जब रक्षा बल एक समर्पित रॉकेट बल बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जो लंबी दूरी से दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर सके। चीनी सेना के पास पहले से ही समर्पित रॉकेट फोर्स है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की बड़ी कार्यवाही

10 अधिकारियों पर लगाया जबरन सेवानिवृत्ति का मुहर

नई दिल्ली ,25 दिसंबर 2022 (ए)। देश से भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिशा में लगातार ऐक्शन मोड में काम कर रही केंद्र की मोदी सरकार के निर्देश पर भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। इस बार टेलिकॉम विभाग के कर्मचारियों पर गाज गिरी है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने काम में लापरवाही बरतने वाले संयुक्त सचिव समेत दूरसंचार विभाग के 10 वरिष्ठ अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त करने पर मुहर लगा दी है।
भ्रष्टाचार को एकदम बर्दाश्त न करने की नीति और काम करो या काम छोड़ो अभियान के तहत यह छंटनी की गई है। एक आधिकारिक सूत्र ने इन अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्त किए जाने के फैसले की जानकारी दी। पहली बार दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों को सीसीएस (पेंशन) नियम, 1972 के पेंशन नियम 48 के धारा 56 (जे) के तहत जबरन सेवानिवृत्ति दी गई है।

सूत्र ने कहा कि दूरसंचार मंत्री ने संदिग्ध ईमानदारी और भ्रष्टाचार को तनिक भी बर्दाश्त नहीं करने की सरकार की नीति के तहत दूरसंचार विभाग के 10 वरिष्ठ अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्ति देने की मंजूरी दे दी है। इन 10 अधिकारियों में नौ अधिकारी निदेशक स्तर पर काम कर रहे थे जबकि एक अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर का है। दूरसंचार मंत्री ने यह फैसला हर साल सरकार द्वारा मनाए जाने वाले 'सुशासन दिवस' की पूर्व संध्या से एक दिन किया।

काम करो या घर बैठो

इससे पहले सितंबर में सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के एक वरिष्ठ अधिकारी को वैष्णव की बैठक में झपकी लेते हुए पाए जाने पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दे दी गई थी। रेलवे विभाग ने भी लगभग 40 अधिकारियों को जबरन सेवानिवृत्ति दी है। गौरतलब है कि वैष्णव के पास रेलवे मंत्रालय का भी प्रभार है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जुलाई में मंत्री पद संभाला था। तभी उन्होंने साफ कर दिया था कि जो अधिकारी काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें घर बैठ जाना चाहिए।

व्यवसायी के अपहरण में एक कांस्टेबल समेत दो अन्य गिरफ्तार

कानपुर ,25 दिसंबर 2022 (ए)। एक बुजुर्ग व्यवसायी को फिरौती के लिए अगवा करने और रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक पुलिस कांस्टेबल समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कांस्टेबल की पहचान फील खाना थाने में तैनात 37 वर्षीय मुकेश कुमार के रूप में हुई है। कांस्टेबल के सहयोगी किदवई नगर इलाके के एक चाय विक्रेता 40 वर्षीय शालू नंदा को भी गिरफ्तार किया गया है।
पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) प्रमोद कुमार ने कहा कि, शालू को करीब दो साल पहले विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) के तौर पर नामित किया गया था। घटना में शामिल दो अन्य कोतवाली थाने में तैनात हेड कांस्टेबल अमित कुमार व उसका सहयोगी मोनू उर्फ बॉक्सर फरार है।

जाति आधारित जनगणना से संबंधित याचिका पर न्यायालय ने केंद्र को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली ,25 दिसंबर-2022 (ए)। आगामी जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए जाति आधारित जनगणना के निर्देश की मांग वाली याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और अन्य से जवाब मांगा है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिंह की पीठ ने केंद्र, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा है। इस मामले को अपने समक्ष लंबित इसी तरह के एक अन्य मामले के साथ संलग्न कर दिया गया है।
शीर्ष अदालत में अधिवक्ता कृष्ण कन्हैया पाल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया है कि जाति आधारित सर्वेक्षण और जाति आधारित जनगणना की कमी के कारण सरकारें पिछड़े वर्गों के सभी तबकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को साझा करने में असमर्थ हैं। याचिका में कहा गया है कि ठोस आंकड़ों के अभाव में ठोस नीतियां नहीं बनाई जा सकतीं, इसलिए ओबीसी के लिए जाति आधारित जनगणना की अत्यंत आवश्यकता है।

100 लोगों का धर्म परिवर्तन

» इस गांव में चल रहा था आयोजन,

» मौके पर पहुंचे बजरंग दल

पटवाई/शाहबाद ,25 दिसंबर 2022 (ए)। अमरोहा के पटवाई क्षेत्र के सोहना गांव में क्रिसमस डे के अवसर पर गांव के एक परिवार में धर्मगुरु द्वारा तकरीबन 100 लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। जिस पर बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंच गए और हंगामा खड़ा कर दिया। शिकायत के बाद पुलिस ने धर्मगुरु को अपनी हिरासत में ले लिया है।आरोप है कि रविवार को क्रिसमस डे के अवसर पर सोहना गांव में धर्म गुरू द्वारा टैंट के भीतर बैठे तकरीबन सौ लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। धर्म परिवर्तन की सूचना के बाद पटवाई कस्बे के बजरंग दल के तमाम कार्यकर्ता गांव में पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने वीडियो बना कर पुलिस को सौंप दी। उस दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं द्वारा हंगामा भी किया गया। सूचना के बाद पुलिस की मौके पर पहुंच गई और धर्मगुरु को अपनी हिरासत में लेकर थाने आ गई। पुलिस द्वारा एक घंटे तक धर्मगुरु से पूछताछ की गई। पटवाई थाना प्रभारी हरेंद्र कुमार ने बताया कि धर्म परिवर्तन का मामला प्रकाश में आया है। धर्म गुरु उनके हिरासत में है। जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। धर्म परिवर्तन कराने की सूचना क्षेत्र में आग की तरह फैली हुई है

पूर्व मंत्री जर्नादन रेड्डी ने नई पार्टी बनाने का किया एलान

बेल्लारी ,25 दिसंबर 2022 (ए)। पूर्व मंत्री और खनन कारोबारी जी जर्नादन रेड्डी ने कर्नाटक में नई पार्टी 'कल्याण राज्य प्रगति पक्ष' (केआरपीपी) बनाने का एलान किया है। इस एलान के साथ ही जर्नादन रेड्डी ने बीजेपी के साथ अपने दो दशक पुराने रिश्तों को तोड़ लिया है।
कर्णाटक के बेल्लारी ज़िले के रहने वाले जर्नादन रेड्डी की राजनीति अब तक इसी ज़िले तक सीमित रही है, लेकिन रविवार को उन्होंने बेल्लारी के बाहर निकलने का भी एलान किया है। उन्होंने बताया है कि वे 2023 का विधानसभा चुनाव कोप्पल ज़िले की गंगावती सीट से लड़ेंगे।
रेड्डी ने कहा, बीजेपी नेताओं के ये कहने के बावजूद कि मैं बीजेपी का सदस्य नहीं हूं और मेरा पार्टी से कोई संबंध नहीं है, लेकिन लोगों का मानना था कि मैं उसी पार्टी से हूं, जिसका विश्वास झूठा निकला। आज मैं अपनी और धर्म और जाति के नाम पर विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ लड़ने वाले बासव अन्ना (12वीं सदी के समाज सुधारक) की सोच के अनुसार केआरपीपी बनाने का एलान करता हूं।
पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी पार्टी को खड़ा करने के लिए आने वाले वक़्त में पूरे राज्य का दौरा करेंगे और इस दौरान वे लोगों से अपने विचार भी साझा करेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी अभी तक की ज़िंदगी में वे किसी भी नए प्रयास में नाकाम नहीं हुए हैं।

आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने बनाया कृत्रिम हृदय

कानपुर ,25 दिसंबर 2022 (ए)। हृदय रोग संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने एक कृत्रिम हृदय तैयार किया है, जो हृदय रोगियों के लिए मददगार साबित होगा। आईआईटी कानपुर के निदेशक अभय करंदीकर ने कहा कि कृत्रिम हृदय का जानवरों पर परीक्षण अगले साल शुरू होगा। उन्होंने कहा, अब हृदय प्रत्यारोपण आसान होगा। गंभीर रोगियों में कृत्रिम दिल प्रत्यारोपित किए जा सकते हैं। आईआईटी कानपुर और देश भर के हृदय रोग विशेषज्ञों ने इस कृत्रिम हृदय को विकसित किया है।
जानवरों पर परीक्षण फरवरी या मार्च से शुरू होगा। परीक्षण में सफलता के बाद दो वर्षों में मनुष्यों में प्रत्यारोपण किया जा सकता है। करंदीकर ने कहा कि हृदय रोग तेजी से बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में मरीजों को हृदय प्रत्यारोपण की सलाह दी जा रही है।
उन्होंने कहा कि मरीजों की परेशानी कम करने के लिए कृत्रिम हृदय विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 वैज्ञानिकों और डॉक्टरों की एक टीम ने दो साल में इस कृत्रिम हृदय को तैयार किया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को मिलकर उपकरण और इम्प्लांट तैयार करने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत 80 प्रतिशत उपकरण और इम्प्लांट विदेशों से आयात करता है। केवल 20 प्रतिशत उपकरण और इम्प्लांट भारत में निर्मित किए जा रहे हैं। हृदय रोगियों के लिए अधिकांश इम्प्लांट और स्टेंट आयात किए जा रहे हैं।
उन्होंने कहा कि कोविड-19 ने हमें कुछ कड़ा सबक सिखाया। कोविड से पहले भारत में वेंटिलेटर नहीं बनते थे। कोरोना संक्रमितों की जान बचाने के लिए भारतीय वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने सिर्फ 90 दिनों में वेंटिलेटर तैयार किया। भारत में दो कंपनियां वेंटिलेटर बना रही हैं। भारत में विदेशी वेंटिलेटर की कीमत 10 से 12 लाख रुपये है जबकि भारतीय वेंटिलेटर सिर्फ 2.5 लाख रुपये में बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी है। प्रति 1000 की आबादी पर केवल 8 डॉक्टर हैं। इस कमी को एक बार में पूरा नहीं किया जा सकता है। हालांकि सरकार तेजी से अस्पताल और मेडिकल कॉलेज खोल रही है। लेकिन आबादी और भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से डॉक्टर-स्टाफ का संकट बना रहेगा। ऐसे में जरूरत है कि चिकित्सा व्यवस्था को तकनीक से जोड़ा जाए।

टीएमसी पंचायत सदस्य खर्च का विवरण देने में विफल रहे तो उन्हें पेड़ से बांध दें:दिलीप घोष

बर्धमान ,25 दिसंबर 2022 (ए)।भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने रविवार को अपनी पार्टी के समर्थकों से कहा कि अगर वे विकास के लिए दिए गए पैसे का हिसाब देने में विफल रहते हैं तो टीएमसी पंचायत सदस्यों को पेड़ों से बांध दें।
पुरबा बर्धमान के शक्तिगढ़ में पार्टी की एक बैठक में बोलते हुए, घोष ने आरोप लगाया कि टीएमसी नेताओं ने पिछले पांच वर्षों में जनता के धन को ÷लूटा÷ है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें पता होना चाहिए कि लोग आगामी ग्रामीण चुनावों में उनके कुकर्मों का बदला लेंगे।

पिछले पंचायत चुनाव में, टीएमसी ने हमें नामांकन दाखिल करने की अनुमति नहीं दी। वे वोट लूट कर जीते थे। अब, जनता के सामने वे छिप गए हैं। पंचायतों द्वारा किए गए खर्चों का विवरण मांगने के लिए उनका सामना करें। जिन लोगों ने आपके धन से महल बनवाए, अपनी पत्नी, बेटी और मित्रों को आभूषण भेंट किए, उन्हें दूर न होने दें। अपने तौलिये का उपयोग करके उन्हें पेड़ों से बाँध दें, उन्होंने कहा। टीएमसी ने पलटवार करते हुए कहा कि घोष इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं क्योंकि वह भाजपा के भीतर अपनी योग्यता साबित करना चाहते हैं।

अध्यापक परीक्षा पेपर लीक मामले में 46 अभ्यार्थी गिरफ्तार

जयपुर ,25 दिसंबर 2022 (ए)। आरपीएससी के वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा के पेपर लीक में शामिल 46 अभ्यार्थियों पर आरपीएससी ने भविष्य में ली जाने वाली समस्त परीक्षाओं से सदैव के लिए प्राथमिक तौर पर विवर्जित किया है। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा प्रकरण में शामिल 4 सरकारी कर्मचारियों में प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार, वरिष्ठ अध्यापक रावताराम, कनिष्ठ सहायक पुखराज और द्वितीय श्रेणी अध्यापक भागीरथ को निलंबित भी किया गया है। राजस्थान के शिक्षा मंत्री डॉ बीडी कल्ला ने बताया कि इस निर्णय से ऐसे लोगों में भय पैदा होगा।

अभी तक 237 आरोपी गिरफ्तार

डॉ. कल्ला ने बताया कि राजस्थान पुलिस द्वारा पेपर लीक प्रकरणों में जनवरी, 2019 से 24 दिसंबर, 2022 तक 237 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कुल 14 प्रकरणों में से 7 में पूर्ण चालान पेश किया गया है। इन 237 आरोपियों में शनिवार को गिरफ्तार 46 भी शामिल हैं। नकल पर नकेल- राजस्थान में सख्त कानून

डॉ. कल्ला ने बताया कि परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए राजस्थान विधानसभा में ध्वनिमत प्रस्ताव पारित कर 6 अप्रेल, 2022 को 'राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 2022' की अधिसूचना जारी की गई। इसमें परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम और भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शिता से कराने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। अनुचित साधनों का प्रयोग करने वाले परीक्षार्थियों के लिए दण्डात्मक प्रावधान के अंतर्गत 3 वर्ष तक का कारावास, न्यूनतम 1 लाख रूपये का अर्थदंड एवं सार्वजनिक परीक्षा से 2 वर्ष के लिए वंचित करने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा एजेंसी के साथ मिलीभगत कर अनुचित साधनों का प्रयोग करने वाले परीक्षार्थी सहित किसी भी व्यक्ति को 5 से 10 वर्ष तक कारावास एवं 10 लाख से 10 करोड़ रुपये तक का अर्थदण्ड का प्रावधान है।

डॉ. कल्ला ने बताया कि अपराध के आगम से प्राप्त सम्पत्ति की जब्ती, कुर्की एवं राजसात करने के संबंध में प्रावधान है। इसमें अनुसंधान अधिकारी द्वारा राज्य सरकार की पूर्वानुमति से चल या अचल सम्पत्ति को जब्त किया जा सकेगा। मैनेजमेंट या संस्था द्वारा अपराध करने पर उस संस्था को हमेशा के लिए प्रतिबंध एवं दोषी पाए जाने पर परीक्षा पर हुए खर्चे की भरपाई के लिए संस्था या प्रबंधन की सम्पत्ति को नीलाम करने का प्रावधान है। इस प्रकार के अपराध संज्ञेय, गैर जमानती एवं नॉन कम्पाउंडेबल होंगे।

संपादकीय

नेपाल के गायब बच्चे

नेपाल में मजदूरी कराने और यौन शोषण के लिए बड़ी संख्या में बच्चों की तस्करी की जा रही है। नेपाल की सरकारी बाल सुरक्षा एजेंसी- राष्टीय बाल अधिकार परिषद के मुताबिक देश में औसतन हर दिन छह बच्चे लापता होते हैं।

नेपाल की यह खबर दिल को हिला देने वाली है। भारत के लिए भी यह खबर महत्त्वपूर्ण है। नेपाल हमारा पड़ोसी है और अगर वहां बच्चों को गायब करने वाला कोई बड़ा गिरोह सक्रिय हो, तो उसके प्रभाव से वे भारतीय इलाके नहीं पूरी तरह महफूज नहीं रह सकते, जिनकी सरहदें नेपाल से मिलती हैं। नेपाल में हाल यह है कि मजदूरी कराने और यौन शोषण के लिए बड़ी संख्या में बच्चों की तस्करी की जा रही है। नेपाल की सरकारी बाल सुरक्षा एजेंसी- राष्टीय बाल अधिकार परिषद (एनआरसीआर) के मुताबिक नेपाल में औसतन हर दिन छह बच्चे लापता होते हैं। उनमें से दो-तिहाई आखिरकार मिल जाते हैं, लेकिन एक-तिहाई का कोई अता-पता नहीं चलता। जुलाई 2006 से जुलाई 2022 तक कम से कम 36,612 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। उनमें से करीब 36 फीसदी यानी 13,353 बच्चे अब तक लापता हैं। लापता बच्चों में से 16 मृत पाए गए या मिलने के बाद उनकी मौत हो गई। जुलाई 2021 और जुलाई 2022 के बीच कम से कम 4,646 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई।

इनमें लड़कियों की संख्या 3,431 थी। उनमें 377 बच्चे अब भी लापता हैं, जिनमें 287 लड़कियां शामिल हैं। लेकिन नेपाल में मानव तस्करी का शिकार सिर्फ बच्चे ही नहीं हैं। बल्कि देश के राष्टीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 35,000 लोगों को भी उस वर्ष मानव तस्करों ने अपना शिकार बनाया, जिनमें करीब 15,000 वयस्क महिलाएं थीं। एनएचआरसी के अनुसार सीमा पार के तस्करों ने ज्यादातर गरीब परिवार के बच्चों को निशाना बनाया और उन्हें यौन शोषण के लिए भारत के रेड-लाइट इलाकों में भेजा है। इसके अलावा लापता बच्चों में से कुछ से ईंट भट्ठों, होटलों, रेस्तरां और डांस बार में काम कराए जाने की आशंका है। नेपाल के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि लापता बच्चों को खोजने में सरकार की दिलचस्पी नहीं है। उन्हें यह भी अंदेशा है कि लापता होने वाले बच्चों की असल संख्या ज्यादा हो सकती है, क्योंकि संभव है कि कुछ मामले दर्ज न हुए हों।

पहला प्यार

संजय कुमार श्रीवास्तव
लखीमपुर खीरी
उत्तर प्रदेश

पहला पहला प्यार सुहाना होता है
बड़े नसीबो वालों को ही मिलता है
बस जाए सूरत जिसकी वह भोली सी
भुला न पाए प्रीत की तेरी ऐसी थी
पहला पहला प्यार सुहाना होता है
बड़े नसीबो वालों को ही मिलता है
पहले करती है प्यार शकर के जैसी वो
फिर दे देती है धोखा दिल को चुपके से
तब इंसान को समझ में सब आ आता है
प्यार पतन का कारण ही कहलाता है
पहला पहला प्यार सुहाना होता है
बड़े नसीबो वालों को ही मिलता है
पहला पहला प्यार अधूरा होता है
सौ में से दस बीस को ही वह मिलता है
पहला पहला प्यार सुहाना होता है
बड़े नसीबों वालों को ही मिलता है

डग-डग पर मुस्काते भोले

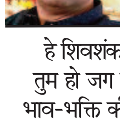

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर
मध्यप्रदेश

हे शिवशंकर,हे त्रिपुरारी,
तुम हो जग के पालनहारी,
भाव-भक्ति की डोर बंधे हम,
घट इच्छा का हर लो कपाली।
हे शिवशंकर ....
घन गरजत हैं या बरसत हैं,
नयन हमारे तो तरसत हैं,
पग चलकर कुछ धूलि-धरा को,
बस गंगा-सा पावन कर दो।
हे शिवशंकर ....
याद करें हम शिव-घट काशी,
भोले हों अंतस के वासी,
जीवन के हर चक्रव्यूह को,
भंग करें मेरे भोले पिनाकी।
हे शिवशंकर .....
जब-से तुमने आस भरी है,
उम्मीदें परवान चढ़ी हैं,
श्वांसों की गठरी भर तुमनें,
मन मेरे मुस्कान भरी हैं।
हे शिवशंकर ....
नाम जुबां पर भोले आता,
तब सारी सुध-बुध खो जाता,
भोले-भोले कह जीवन भर,
डग-डग पर मुस्काता जाता।
हे शिवशंकर ....

भारत के लोकतंत्र की परीक्षा

भारत को विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव और गर्व प्राप्त है! अंग्रेजों से 1947 में आजादी प्राप्त करने के बाद 26 जनवरी ,1950 मैं डॉ बी आर अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा द्वारा पारित भारतीय संविधान को लागू कर दिया गया! हमें यह अच्छी तरह याद रखना चाहिए कि भारत का संविधान विश्व के सविधानों से अच्छी-अच्छी बातें लेकर लिखा गया है! भारत में पार्लियामेंट्री सिस्टम आफ गवर्नमेंट को स्वीकार किया गया है जिसके मुताबिक देश में पार्लियामेंट में जिस राजनीतिक दल की आधे से ज्यादा सीटें होंगी उस दल का व्यक्ति ही प्रधानमंत्री होगा! संविधान के मुताबिक देश का शासन राष्टपति के नाम से देश का प्रधानमंत्री चलाएगा! और पार्लिमेंट के द्वारा बनाए गए किसी भी कानून की राष्टपति द्वारा स्वीकृति के बिना उसे लागू नहीं किया जा सकता! किसी भी देश के अन्य लोकतांत्रिक ढांचे के अनुसार भारतीय लोकतंत्र भी 4 स्तंभों पर खड़ा है 1 विधायका 2 कार्यपालिका 3 न्यायपालिका 4 मीडिया यह किसी सफल लोकतंत्र के चार मजबूत स्तंभ हैं! इन चारों का अपना अपना स्वतंत्र कार्यक्षेत्र है! कोई भी किसी दूसरे के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करता! विवाद होने की स्थिति में न्यायपालिका संविधान के मुताबिक मार्गदर्शन करती है!

लेकिन पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि यह चारों ठीक प्रकार से काम नहीं कर रहे! सभी को एक दूसरे के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप की शिकायत है! क्योंकि वर्तमान समय में संसद में सत्तापक्ष पार्टी भाजपा का प्रचंड बहुमत है जिसके मुताबिक वह सविधान में मन मनमाफिक संशोधन करके नए कानून बना सकती है! क्योंकि विपक्ष कमजोर ही नहीं बल्कि आपसी खींचतान करके बिखरा हुआ भी है, इसलिए सरकार को किसी तरह से किसी काम के लिए रोक नहीं सकता, जबकि हम जानते हैं कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना बहुत आवश्यक है! दूसरे शब्दों में सत्ता पक्ष यह समझता है कि विधायिका में जो चाहे कर सकता है! गलत और ठीक का फैसला वह स्वयं ही करता है! इस तरह विधायका के ऊपर कार्यपालिका का कब्जा हुआ ही मानना चाहिए! विधायका में प्रचंड बहुमत का सत्ता पक्ष अगर दुरुपयोग करना चाहे तो उसको रोकने वाला कोई नहीं! यही कारण है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों के प्रमुख प्रमुख नेताओं के खिलाफ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, सीबीआई तथा ईडी का दुरुपयोग करता रहता है! जो कोई भी सत्ता पक्ष के लिए चैलेंज पेश

करने वाला विपक्षी दल का नेता होता है उसकी सेवा के लिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, सीबीआई, ईडी आदि संस्थाएं तैयार रहती हैं! पूछा जा सकता है कि कि क्या केवल विपक्षी दल के नेता ही कसूरवार हैं जिनके खिलाफ उपर्युक्त स्वायत्त संस्थाओं का प्रयोग किया जाता है! क्या सत्तापक्ष से संबंधित कोई ऐसा व्यक्ति, नेता या मंत्री नहीं जिसके खिलाफ इनका प्रयोग किया जा सके? जबकि यह सर्वविदित है कि देश के सांसदों तथा विधायकों मैं से हर दूसरा दागी है! सत्ता पक्ष के कुछ सांसद भी ऐसे हैं जिनके खिलाफ संगीन अपराधिक मामले न्यायालय में लंबित है, उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जाती?

हमारे देश में विपक्षी दल के कमजोर होने का मुख्य कारण यह है कि नेता सरकार के द्वारा उनके खिलाफ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, सीबीआई तथा ईडी प्रयोग करके उनको जेल में भेजने के डर से राजनीति करने से डरते हैं! इसलिए सब अपने-अपने घरों में चुपचाप बैठे हैं!

सत्ता पक्ष ने कार्यपालिका तथा विधायका पर अधिकार जमाने के बाद न्यायपालिका पर भी अधिकार जमाने की कोशिश की है! विभिन्न न्यायालयों में जजों की नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के द्वारा कॉलेजियम सिस्टम के तहत राष्टपति के द्वारा की जाती हैं! अब हमारी वर्तमान सरकार यह चाहती है कि जजों की नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कॉलेजियम सिस्टम के तहत ना होकर सरकार के द्वारा ही की जाए! इसे सीधे-सीधे न्यायपालिका में सरकारी हस्तक्षेप ही समझना चाहिए!

अब बात करते हैं लोकतंत्र के चौथे महत्वपूर्ण स्तंभ अर्थात मीडिया की! लोकतंत्र की सफलता के लिए किसी देश के मीडिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, निडर, स्पष्ट तथा लोगों की आवाज के तौर पर काम करने वाला होना चाहिए! आप सब लोग इमानदारी से सोचिए कि क्या भारत का मीडिया उपर्युक्त प्रकार से काम कर रहा है! देश में महंगाई, गरीबी, बेकारी, भुखमरी, कुपोषण, भ्रष्टाचार,, किसानों की समस्याओं का हल ना होना, देश के विभिन्न संप्रदायों में अविश्वास तथा वैमनस्य का बढ़ना आदि मुख्य समस्याएं हैं जिनका निष्पक्षता से मीडिया को सरकार के सामने मुद्दा उठाना चाहिए लेकिन ऐसी कोई बात मीडिया करता नहीं! मीडिया सरकार के तोते के तौर पर काम करता है! ऐसा लगता है कि मीडिया सरकारी प्रवक्ता के तौर पर काम कर रहा हो! मीडिया विभिन्न समुदायों में भेदभाव, फूट तथा आक्रोश फैलाने वाली खबरे प्रसारित करता रहता है! बड़े-बड़े कॉर्पोरेटों ने मीडिया हाउसेस पर कब्जा कर लिया है और वो सरकार से कई प्रकार की सहूलतें प्राप्त करते हैं, बदले में सत्ताधारी पार्टी को चंदा देते हैं और टीवी चैनलों पर रात दिन सरकार के गुणगान तथा विपक्ष की निंदा का काम करते हैं! सरकार भी एन टीवी चैनलों के ऊपर मेहरबान होकर सरकारी विज्ञापन दे कर खुश करती है! धर्मनिरपेक्षता कहीं देखने को नहीं मिलती जैसा कि हमारा सविधान कहता है!

यह हमारे लोकतंत्र की दास्तान है! लोकतंत्र के 4 स्तंभों अर्थात विधायका, कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा मीडिया का इस तरह से काम करना लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं माना जा सकता! बेशक हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का दावा करें, परंतु लोकतंत्र की सफलता उपर्युक्त 4 स्तंभों के स्वतंत्र तौर पर काम करने पर ही निर्भर करती है!

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
(हरियाणा)

अनवरत श्रम,जिजीविषा संघर्ष श्रेष्ठ सफलता की कुंजी

संयम अनुशासन सफलता के राजमार्ग

मन के जीते जीत है मन के हारे हार। निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैद्य जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैद्य बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंद्य सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंद्य मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए द्य यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैद्य जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन,

प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैद्य यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी हैद्य मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंद्य सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएद्यइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैद्य और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैद्य भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैद्यऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

बिहार का शराब काण्ड

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुशासन के प्रतीक हो सकते हैं, लेकिन हमने कभी नहीं माना। वह अलग-अलग गठबंधनों के साथ बीते 17 साल से ज्यादा समय से बिहार के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन वह आज भी देश के सबसे गरीब, पिछड़े, आपराधिक राज्यों में एक है। अभी छपरा में जहरीली शराब पीने से जो 50 मौतें हो चुकी हैं और यह आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है, हम उसे नरसंहार मानते हैं, क्योंकि सुनियोजित तरीके से नकली शराब बेची जा रही है। इतने परिवार अनाथ हो गए या परिवारों के चिराग बुझ गए, लेकिन मुख्यमंत्री ने कहा-शराब पियोगे तो मरोगे। कितनी संवेदनहीन, अमर्यादित, असंसदीय, अशोभनीय शब्दावली है यह बयान और नरसंहार पर विधानसभा में खूब हंगामा हुआ, तो मुख्यमंत्री भी आंखें घूर घूर कर कहते रहे अरे, क्या हुआ? अरे, तुम सब बर्बाद हो जाओगे। नीतीश कुमार का ऐसा अपशब्दीय और रौद्र रूप हमने कभी संसद में नहीं देखा। वह केंद्रीय कैबिनेट में भी रहे हैं। उनकी छवि शांत और संयमी राजनेता की रही है। हादसे और दुर्घटनाएं तो सार्वजनिक जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन राजनीतिक जीवन के उत्तरायण में ऐसी शब्दावली और ऐसा गुस्साए यह नीतीश कुमार कोई और हैं। बिहार में शराबबंदी 2016 से लागू है। लाखों ने यह कानून तोड़ा भी है, लिहाजा वे जेल की सलाखों के पीछे हैं। बिहार की अदालतों में जमानत के मामलों के ढेर लगे हैं। शराबबंदी के इन छह सालों में 1000 से अधिक लोग जहरीली शराब पीकर मर चुके हैं। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। वे गरीब, पिछड़े, दलित आदिवासी रहे हैं, जो

जो महंगी, अंग्रेजी शराब का खर्च वहन नहीं कर सकते। शराबबंदी को एक चुनावी मुद्दे के तौर पर घोषित और लागू किया गया था, जिससे खुश होकर एक निश्चित महिला वोट बैंक नीतीश के पक्ष में स्थापित हो गया था। कमोबेश वह आज भी मौजूद होगा। शराबबंदी के बावजूद बिहार में नकली शराब, थैलियों में भर कर घर-घर पहुंचाने की व्यवस्था भी है। वर्दीधारी थानेदार और पुलिसियों के कथित संरक्षण में जहरीली शराब की भट्टियां चल रही हैं। क्या मुख्यमंत्री को जानकारी नहीं है ? जहर बेचने वालों को दंडित करने और उनके अड्डों को बन्द कराने का दायित्व किसका है ? जाहिर है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन का है, लेकिन मौतें लगातार हो रही हैं और नीतीश के पार्टी प्रवक्ता टीवी चैनलों पर बयान दे रहे हैं कि गैर-कानूनी काम करने के लिए सरकार मुआवजा नहीं देगी। इन सबके ऊपर मुख्यमंत्री को जहरीली संवेदनहीन टिप्पणी चुभती है- पियोगे, तो मरोगे। बिहार में शराबबंदी बिल्कुल नाकाम है या प्रशासन किसी और की छाया तले चल रहा है, लेकिन नीतीश की प्रतिष्ठा का सवाल है। यह उनकी कुंठा भी हो सकती है, क्योंकि वह शराबबंदी को सफल तरीके से लागू करने में अक्षम रहे हैं। शराबबंदी से 3000 करोड़ रुपए सालाना के राजस्व का नुकसान बिहार के खजाने को हो रहा है। इस पूरे अंतराल में, देश का सबसे गरीब और पिछड़ा राज्य करीब 30,000 करोड़ रुपए की चपत झेल चुका है। बेशक शराब पीना एक आदत है, व्यसन भी है। ऐसे व्यसन कुछ और भी हैं, लेकिन वे समाज में जारी हैं और जन-जागरण के प्रयास भी किए जाते रहे हैं। राज्य सरकारों के आबकारी विभाग खुलेआम शराब के लाइसेंस नीलाम करते हैं और शराब खुले बाजार, बार, होटलों आदि में उपलब्ध है। शराब राज्य सरकारों के राजस्व का सबसे अहम स्रोत है, लिहाजा इसे जीएसटी के दायरे में लाने पर सहमति नहीं बन पा रही है। मान्यता प्राप्त और अधिकृत शराब पीने की त्रासदियां नगण्य हैं। शराबबंदी गुजरात, नागालैंड, लक्षद्वीप, मिजोरम आदि कुछ और राज्यों में भी है। हरियाणा में तत्कालीन मुख्यमंत्री बंसीलाल ने शराबबंदी लागू की थी। चूंकि वह नाकाम रही, नतीजतन उसे वापस लेना पड़ा। जहरीली शराब से अधिक खतरनाक वह शब्दावली है, जो बिहार के मुख्यमंत्री ने बोली है और वह माफी मांगने को तैयार नहीं हैं। यह मुद्दा संसद में भी उछला। इस पर अब भाजपा आक्रामक है और मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने की लगातार मांग कर रही है। इस नरसंहार से सबसे ज्यादा महिलाएं प्रभावित हुई हैं। क्या वे नीतीश को समर्थन पर पुर्नविचार करेंगी ?

-अजय दीक्षित-

खालीपनःइसके आगे भी जिंदगी है

हर महिलाओं के जीवन में कुछ ना कुछ खालीपन होता है और कुछ ना कुछ ऐसी समस्याएं होती हैं जिन्हें वे हर किसी से नहीं कह सकती हैं और इन्हीं खालीपन की खाई में अक्सर औरतें सिमट कर रह जाती हैं। बचपन से कई सपने औरतें देखती हैं और उसे पूरा करने की चाह में सपने में एक महल खड़ा करती है और जब उनके सपने पूरे हो जाते हैं तो अपनी जिंदगी में सब कुछ पा लेने की चाह भी खत्म हो जाती है फिर वही जिंदगी उन्हें बोरियत भी लगने लगती है और एक समय के बाद वह अपने सपनें छोड़ देती है। एक जमाना था जब परिवार वाले लड़कियों की शादी पढ़ाई के दौरान ही कर दिया करते थे परिवार वालों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उसकी बेटी की पढ़ाई अभी अधूरी है और उसे अपना भविष्य भी बनाना है। साथ ही लड़कियां भी पढ़ाई और भविष्य बनाने को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं रहती थी उस ज़माने की। वह बड़े होने पर शादी कर ससुराल पहुँचकर पति और ससुराल वालों की सेवा करना ही अपना पहला कर्तव्य मानती थी लेकिन यह उस दौर की बात है। जो अभी बीत रहा है इसे बदलते समय की माँग कहे या महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति आई जागरूकता।

अक्सर शादी के बाद लड़कियों की नौकरी किसी ना किसी वजह से छूट जाती है या ससुराल वालों का दबाव या फिर माँ बनने के बाद आई अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ भी लड़की को ना चाहते हुए भी नौकरी छोड़नी पड़ जाती है। कुछ महिलायें खुशी-खुशी नौकरी छोड़कर घर परिवार में जम जाती है लेकिन बहुत सी ऐसी महिलायें होती हैं जो नौकरी छूटने के बात को सामान्य तौर पर नहीं ले पाती है और धीरे-धीरे उसकी दिलचस्पी घर परिवार के सदस्य और काम में बढ़ती जाती है जिसका परिणाम होता है कि ऐसी महिलायें घर में सभी के होने के बावजूद खुद को अकेला महसूस करने लगती है साथ ही अपने को किसी काम का नहीं समझते हुए अवसाद का शिकार भी हो जाती है फिर उन्हें यह लगने लगता है कि पढ़ाई लिखाई अब किसी काम की नहीं रह गई थी और बाकी सभी महिलायें इस रेस में आगे निकल जाती है। लेकिन कुछ महिलायें ऊंचाइयाँ हासिल करने के बावजूद भी पिछड़ कर रह जाती हैं उनके अंदर का आत्मविश्वास कमजोर पड़ने लगता है और वह अपने परिवार से भी कटी कटी रहने लगती है और धीरे-धीरे अपने आप में सिमटती चली जाती है और चिड़चिड़ापन आने लगता है। हमारे समाज में महिलाओं को इस स्थिति में पहुँचाने के लिए परिवार वाले ही होते हैं जो महिलाओं की प्रगति में अधिकतर बाधक होते हैं लोगों का नजरिया महिलाओं की स्थिति को नाजुक दौर पर ला देता है। अधिकतर औरतें जो घर में होती हैं वह थोड़ा कम समझदार होती हैं और यही सोच परिवार के लोगों की भी

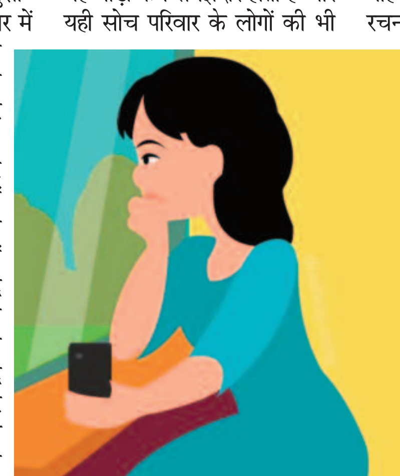

होती है पति या फिर कोई बड़ा और बाद में बच्चे भी घर पर रह रही महिला के किसी फैसले को महत्वपूर्ण नहीं समझते हैं उनकी राय को कोई खास महत्व नहीं दिया जाता है बार-बार परिवार और बाहर के लोगों द्वारा उनके वजूद को नकारे जाने के चलते धीरे-धीरे महिलायें अपना आत्मविश्वास खोने लगती हैं और फिर उनके दिमाग में सीधे यही बात आती है कि उसने नौकरी छोड़ कर सही नहीं किया घर पर बैठकर पढ़ाई और प्रतिभा का दमन होता है। महिलायें अपनी खूबी को तराश कर घर पर खाली समय का सदुपयोग कर सकती है साथ ही अन्य महिलाओं के साथ मिलकर कोई रचनात्मक काम भी कर सकती है।

यदि किसी कारणवश किसी महिला की नौकरी शादी के बाद छूट जाती है इसके चलते हुए उदास परेशान और अवसाद की स्थिति में नहीं आनी चाहिए। समस्याओं का हल निकाला जा सकता है क्योंकि नौकरी छूटने से जिंदगी नहीं छूटती है फिर भी यदि किसी महिला को लगता है कि घर पर रहने से उसका महत्व कम हो रहा है या घर परिवार के लोग उसको कम समझते हैं और आपकी किसी मामले में राय को खास महत्व नहीं देते हैं तो हो सकता है कि यह आपका वहम हो। यदि आप खुद को कम समझेंगी तो बाकी लोग भी आपका व्यक्तित्व डाउन करने की कोशिश करेंगे यदि आपने नौकरी छोड़ी है तो अपने उस निर्णय पर विश्वास रखें क्योंकि आप मानसिक रूप से निर्णय पर विश्वास नहीं रखेंगी तो आपके दिमाग में हमेशा इस फैसले को लेकर उथल पुथल मची रहेगी जो आपको हमेशा अशांत रखेगी और घर परिवार में अशांति का कारण बनेगी। ऐसा नहीं है की कामकाजी औरतों को ही भर बाहर की जानकारी होती है आप घर पर रहकर भी अपनी नॉलेज को अपडेट कर सकती हैं जो कि नॉलेज केवल आपको नौकरी में ही काम नहीं आती है यह नॉलेज आपको सोसाइटी में भी काम आती है। किताबें राजनीति फिल्में सभी के बारे में जानकारी को हमेशा अपडेट बनाकर रखें। हाउसवाइफ बनने का मतलब यह नहीं है कि आप केवल घर के कामों तक सीमित होकर रह जाएं घर के अलावा बाहर के इतने काम होते हैं आप जरूर करें जैसे बैंक के काम, बच्चों को स्कूल छोड़ना, बिल जमा कराना, घर परिवार के सदस्यों की खरीदारी करना इसके अलावा और भी बहुत काम है जिन्हें आप स्वयं कर सकती हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि दिमाग में रखें कि सब की मर्जी के खिलाफ नौकरी करने पर आप कभी भी खुश नहीं रह सकेंगी क्योंकि ऐसा करने से ना तो आपके परिवार के लोग खुश रह सकेंगे और ना ही आप नौकरी ठीक से कर पाएंगी। इसलिए यह बिल्कुल ना सोचे कि नौकरी छोड़ने से आपकी जिंदगी आपसे छूट जाएगी। खुद को समय दे खुद को सँवारे और अपने हिसाब से जीने की कोशिश करें क्योंकि इस खालीपन के आगे भी जिंदगी है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मसीही समाज ने धूमधाम से मनाया क्रिसमस,महागिरजाघर में विशेष अनुष्ठान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रभु यीशु के जन्म क्रिसमस के अवसर पर अंबिकापुर नवापारा स्थित महा गिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई रात्रि 10 बजे से समस्त धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुए जो देर रात तक चले ।12 बजे बालक येशु के जन्म के साथ ही चर्च के घंटे बज उठे।

चरनी आशीष के साथ अनुष्ठान की शुरुवात हुई । सरगुजा धर्म प्रान्त के धर्माध्यक्ष डॉक्टर एंटोनिया बड़ा की अगुवाई में विकर जनरल फादर विलियम उर्रे व फा. जार्ज ग्रे कुजूर ने समस्त धार्मिक अनुष्ठान मिस्सा पूजा सम्पन्न हुई।

क्रिसमस के अवसर पर समुदाय को संबोधित करते हुए अपने संदेश में बिशप डॉ अंतोनिस बड़ा ने कहा कि जहां कोई सोंच भी नहीं सकता बालक यीशु का जन्म ऐसी जगह गौशाले में हुआ, हम कह सकते हैं कि यीशु वही विराजमान हैं जहां जाती धर्म व संस्कृतियों के बीच कोई भेदभाव न हो, आपसी भाईचारा मेल मिलाप हो लेकिन आज समाज में असहिष्णुता, झूठ फरेब का बोलबाला है। आइए हम सब मिलकर बेतलहेम के गौशाले में जन्मे चरनी में लेटे प्रभु यीशु मसीह की महत्ता और उनके संदेश पर विचार करें।

सुसमाचार का वाचन फ़ा विलियम उर्रे ने किया

इस दौरान बारी बारी से समाज के लोगों ने बाइबील के पवित्र पाठ का वाचन कर यीशु के संदेशों को दिया। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के महापौर डा. अजय तिर्की, पूर्व महापौर प्रबोध मिंज, फ़ा अमृत टोप्पो, अजय अरुण मिंज,फा. गयान लकड़ा, फा.थेओदोर

लकड़ा, राजेन्द्र तिग्गा,भानु खलखो, राजेश टोप्पो, फा. अविरा,हॉली क्रास, उर्सुलाइन, मिशनरीज आफ चैरिटी सिस्टर्स व बड़ी संख्या में मसीही समाज के लोग मौजूद थे।

बालक यीशु का चुंबन लिया आशीष

रात्रि प्रार्थना सभा के दौरान फा.अनुरंजन व फ़ा जॉन की अगुवाई में युवक युवतिओं द्वारा बीच-बीच में भक्तिमय गीतों से ऐसा समा बांधा की लोग भक्तिमय गीतों में रम गए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में परम प्रसाद का वितरण व बालक यीशु का चुंबन किया गया ।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नेशनल हाईवे पर स्थित पंचवटी ढाबा के पास शनिवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना पर रघुनाथपुर पुलिस उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जितेंद्र ठाकुर पिता राजेंद्र ठाकुर उम्र 32 वर्ष अंबिकापुर स्थित दर्रीपारा का रहने वाला था। वह रघुनाथपुर में सैलून चलाता था। शनिवार की सुबह वाह अपने काम पर गया था। वापस लौटते समय रात करीब 8ः30 बजे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर उसे इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वाहन फाइनेंस के बाद सब्सिडी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए ठगी करने के मामले में एक महिला सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

दो पहिया, चार पहिया वाहनों के फायनेंस के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में बलरामपुर पुलिस ने एक महिला समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे 33 हजार रुपए, 2 मोबाइल बरामद किया है। वही इस गिरोह के सरगना की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

बलरामपुर पुलिस को फायनेंस के नाम पर ठगी की शिकायत मिली थी। जिसके बाद एसपी मोहित गर्ग व एडिशनल एसपी सुशील नायक के मार्गदर्शन में सायबर सेल व पुलिस की कई टीमो ने ठगों की पड़ताल शुरू की। पुलिसिया जांच में ठगों द्वारा सरगुजा जिले के दरिमा थाने में भी ठगी का मामला दर्ज होने की जानकारी पुलिस को मिली। जिसके बाद बलरामपुर पुलिस ने दरिमा पुलिस से समन्वय स्थापित कर गिरोह के सरगना अर्जुन गोप की 27 वर्षीया पत्नी संगीता, रंजीत खलको, कपिल देव कतिया, धर्मेंद्र सिह, गोविंदा महली को गिरफ्तार किया है. तथा आरोपियों के कब्जे से 33200 रुपए नगद व दो मोबाइल जब्त किया है।

मामले का खुलासा करते हुए एसपी मोहित गर्ग ने बताया कि आरोपी मल्लिकार्जुन ट्रेडिंग एन्ड सर्विस प्रायवेट लिमिटेड का संचालन कर क्षेत्र में दो पहिया, चार पहिया वाहनों का फायनेंस करने के नाम पर ठगी करते थे। उन्होंने आमजनों से अपील किया है । की वे इस तरह के किसी भी ठगी की झांसे में ना आये. तथा ऐसे मामलों की किसी प्रकार की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने को कहा।

पुलिस के मुताबिक दरिमा निवासी चंद्रेश्वर तिग्गा अपने परिचितों से दो पहिया व चार पहिया वाहनों की खरीददारी में वाहनों के दरों के 60 प्रतिशत राशि लेकर सम्बन्धितों के नाम फायनेंस कराकर देने की बात कहते हुए है। 40 प्रतिशत फायनेंस कंपनी द्वारा पटाने तथा 3000 रुपये दो पहिया वाहन व 10000 से 15000 चार पहिया के लिए दिए जाने का झांसा दिया करते था. और इस प्रकार गिरोह के सरगना के बैंक खाते में 40 लाख 42 वाहनों के एवज में लिए जाने की बात सामने आयी है।

वही इस गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी करने वाली टीम में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक रमाकांत साहू, बलरामपुर थाना प्रभारी मनोज सिह, उप निरीक्षक धानूराम चंद्रवंशी, सउनि अश्विनी सिह, प्रधान आरक्षक शीपक रंजन शर्मा, विवेक मणि तिवारी, विद्यासागर पैंकरा, आरक्षक सायबर सेल मंगल सिह जंघेल, शिवशंकर सिह, अंकित कुमार पांडे, गजेंद्र भगत, अशोक तिर्की, महेंद्र गुप्ता, रामसाय कंवर, शैलेन्द्र सिह, महिला आरक्षक माधुरी कुजूर, सुरजपतिया, सहायक आरक्षक कृष्ण दास हलदार शामिल रहे।

27 को होगा कोरोना प्रबंधन प्रोटोकॉल का मॉक-ड्रिल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोविड के नए वेरियंट बीएफ-7 के संक्रमण के खतरे को दृष्टिगत रखते हुए इस वेरिएंट से बचाव के लिए भारत सरकार द्वारा निर्देश जारी किए गए है। निर्देश के अनुपालन में राज्य शासन द्वारा सभी जिलों में कोविड प्रबंधन की आवश्यक तैयारी करने एवं 27 दिसम्बर को जीवनदायी उपकरणों को चलाने व कोविड प्रबंधन प्रोटोकॉल का मॉक-ड्रिल करने के निर्देश दिये गए हैं।

जारी निर्देश में कहा गया है कि सभी तरह के जीवन रक्षक उपकरण जैसे वेंटीलेटर, मल्टी पैरामॉनिटर ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर आदि को जांच कर क्रियाशील किया जाए। पीएसए प्लांट को पूर्ण रूप से क्रियाशील किया जाए, लिक्विड ऑक्सीजन एवं ऑक्सीजन सिलेण्डर की उपलब्धता को सुनिश्चित कराने के साथ ही ऑक्सीजन गैस पाईपलाईन की मरम्मत करा लिया जाए। चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ को जीवन रक्षक उपकरणों को चलाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए।

इसके अतिरिक्त जिले में कोविड के टीकाकरण के प्रतिशत की समीक्षा किया जाए। समीक्षा उपरांत जहां कमी है उन स्थानों का चिन्हांकन कर टीकाकरण को गति दिया जाए। फ्रंटलाइन वर्कर का शत प्रतिशत टीकाकरण किया जाए। दवाई, कंज्यूमेबल एवं रिएजेंट का आगामी 3 माह का उपलब्धता सुनिश्चित कर लिया जाए। अस्पताल में आने वाले बुखार, खांसी एवं अन्य कोविड के लक्षण वाले मरीज को रेंडम आधार पर टेस्ट किया जाए। प्रथमतः आरटीपीसीआर अनुपलब्धता की स्थिति में एंटीजन एवं ट्रू नेट टेस्ट किया जाए।

सरगुजा स्पीडबॉल खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय चैम्पियनशिप प्रतियोगिता दिल्ली में भाग लेंगी

» दिल्ली में होगा अंतरराष्ट्रीय इंडो - नेपाल ट्राफी चैम्पियनशिप प्रतियोगिता

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अंतरराष्ट्रीय इंडो - नेपाल स्पीडबॉल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता दिल्ली में 28 दिसंबर से 29 दिसंबर 2022 को आयोजित होने जा रही है इस प्रतियोगिता में सरगुजा जिले के राष्ट्रीय व राज्य के चयनित स्पीडबाल खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में सरगुजा जिला से 5 बालिका व 7 बालक, रायपुर से दो बालिका व एक बालक और राजनांदगांव से चार बालक छत्तीसगढ़ प्रदेश 19 खिलाड़ी भाग ले रहें हैं। इस प्रतियोगिता में सरगुजा जिला से बालिका वर्ग से प्रिया जायसवाल, सानिया खान, मारूफ परवीन, प्रीति राजवाड़े, पलक कश्यप, रायपुर कृपा पटेल, मंयक,

सरगुजा बालक वर्ग से स्पर्श सराफा,राजन यादव, अंकित हीरा, चंद्रिका राजवाड़े, विक्की मालाकर, अभिषेक शर्मा, अंकित लकड़ा, रायपुर से गुलशन, दुर्ग से अमित सोनकार, सतेंद्र प्रताप सिंह, सूरज कुमार, धनेंद्र कुमार शामिल होंगे।

इस प्रतियोगिता के सभी खिलाड़ीयों प्रदेशाध्यक्ष डी. के. सोनी जी के द्वारा अग्रिम बधाई दीया गया। इन सभी खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्पीडबाल खिलाड़ी रजत के नेतृत्व में और राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन पर टीम अभ्यास किया है। और इस टीम से अधिक - से अधिक मेडल जीतकर आने का संभावना है।

सुरेंद्र गुप्ता के पहल से विश्रामपुर में चौपाटी का जगह चयन के लिए पहुंचे एसडीएम,पुराने जगह पर ही ठेला लगाने के लिए निर्देश

- संवाददाता -
सूरजपुर , 20 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के विश्रामपुर में पिछले कई दिनों से अय्यप्पा मैदान में लग रहे चौपाटी को स्थानांतरित करने स्थानीय प्रशासन को जगह नहीं मिल पा रही है, दो अन्य जगहों को चयनित भी किया जा चुका था लेकिन उस जगह पर भी विरोध होने के बाद ठेला वालों को रोजी-रोटी ठप हो जाने का डर सताने लगा है। शुक्रवार को पुलिस द्वारा ठेला वालों को हटने की हिदायत दी गई थी।

जिसके पश्चात चौपाटी में ठेला लगाकर रोजी-रोटी काम आने वाले सभी लोग आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता के पास पहुंचे थे जिस पर उन्होंने तुरंत पहल करते हुए एसडीएम सूरजपुर पहुंचे जहां एसडीएम रवि सिंह द्वारा स्थानांतरण के पूर्व चौपाटी को नहीं हटाने के लिए अस्वस्थ किया और शनिवार शाम को विश्रामपुर पहुंच एसडीएम सूरजपुर के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम चौपाटी का जगह बदलने के लिए 2 जगहों हेलीपैड के समीप व लाल मैदान पर विचार किया जाने लगा। इन दोनों जगहों में एक जगह पर चौपाटी लगाने के लिए प्रस्तावित किया जाना है। जब तक अन्य जगह पर लगाने का फैसला नहीं लिया जाता तब तक पुराने जगह अय्यप्पा ग्राउंड में ही सभी ठेला वालों को ठेला लगाकर चौपाटी संचालन करने के निर्देश दिया गया। जिसके बाद जिलाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता के इस पहल को लोगों द्वारा खूब सराहा जा रहा है।

ग्राम पंचायत रजपुरी में मनाया गया सुशासन सप्ताह

गांव पहुंचकर किया प्रशासन ने ग्रामीणों की समस्या का समाधान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रशासन गांव की ओर अभियान अंतर्गत लखनपुर जनपद के ग्राम पंचायत रजपुरी में रविवार को सुशासन सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष श्री अमित सिंहदेव, जनपद सीईओ श्री वेदप्रकाश पांडेय सहित सरपंच, पंच उपस्थित थे। शिविर में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई तथा लंबित आवेदनों का निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में 19 से 25 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशासन की टीम द्वारा गांव में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई। इसके साथ ही जनचौपाल, सीपी ग्राम्स आदि पोर्टल में लंबित आवेदनों का भी निराकरण किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत शुक्रवार को जिला स्तरीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

राष्ट्रपति ने पुष्प कमल दहल को नियुक्त किया नया पीएम;प्रचंड ने देउबा को छोड़ ओली से लिया समर्थन

काठमांडू , 25 दिसम्बर 2022। नेपाल की सियासत में रविवार को नाटकीय मोड़ आ गया। यहां सत्तारूढ़ गठबंधन को उस वक्त पर करारा झटका लगा, जब प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के अध्यक्ष पुष्पा कमल दहल प्रचंड के बीच पीएम पद को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद विपक्षी सीपीएन-यूएमएल और अन्य छोटे दलों ने पुष्प कमल दहल को अपना समर्थन दिया।

दहल ने राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें अपनी पीएम उम्मीदवारी का आवेदन सौंपा। दहल ने नेपाल के राष्ट्रपति को लिखे अपने पत्र में कहा है कि उन्हें पीएम पद के लिए निर्दलीय सांसदों समेत 169 सांसदों का समर्थन हासिल है। इसके बाद राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' को नेपाल का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया।

पहले जानते हैं दिन में क्या हुआ...

दरअसल, सत्तारूढ़ गठबंधन की रविवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें कामचलाऊ गठबंधन सरकार के चारों दल नई सरकार के गठन को लेकर किसी समझौते पर पहुंचने वाले थे, लेकिन कोई फैसला नहीं हो सका। प्रधानमंत्री देउबा और पुष्प कमल दहल के बीच पीएम पद को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इस बीच पूर्व पीएम प्रचंड ने सत्तारूढ़ गठबंधन से नाता तोड़ लिया।

फिर प्रचंड पहुंचे ओली के पास

इसके बाद पुष्प कमल दहलपूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास पहुंचे। यहां ओली के नेतृत्व वाले विपक्षी सीपीएन-यूएमएल, सीपीएन-माओइस्ट सेंटर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) और अन्य छोटे दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रचंड के नेतृत्व में सरकार बनाने पर सहमति बनी। सीपीएन-यूएमएल, सीपीएन-एमसी और अन्य पार्टियां संविधान के अनुच्छेद 76 (2) के तहत 165 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ राष्ट्रपति कार्यालय शीतलनिवास में प्रचंड के पीएम बनने के लिए दावा पेश कर दिया। सीपीएन-एमसी के महासचिव देब गुरुंग ने इसकी पुष्टि की है।

देउबा के साथ कहां फंसा पेच

इससे पहले सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक में कोई फैसला नहीं हो सका। यह बैठक बालूवाटार में प्रधानमंत्री के निवास पर आयोजित की गई थी। इसमें गठबंधन दलों के बीच सरकार गठन के समझौते पर मुहर लगने वाली थी। इसमें प्रमुख मुद्दा यह था कि सरकार का नेतृत्व पहले कौन करेगा। नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने गठबंधन दलों से रविवार तक नई सरकार बनाने का दावा पेश करने को कहा था। इस बीच, नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल ने कहा है कि पूर्व पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सत्तारूढ़ गठबंधन से नाता तोड़ लिया है। उन्होंने कहा कि माओइस्ट सेंटर ने सत्तारूढ़ गठबंधन से समर्थन वापस ले लिया है। इस गीच प्रचंड प्रधानमंत्री बनने के लिए समर्थन मांगने के लिए सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के निजी आवास पहुंचे हैं।

दहल बैठक से बाहर निकल गए

गठबंधन की बैठक के दौरान पुष्प कमल दहल बाहर चले गए। वे सीधे नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास पहुंचे। इसके बाद माओइस्ट सेंटर के प्रेस सचिव ने दहल के बाहर जाने की खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि बैठक में कोई समझौता नहीं हुआ।

प्रचंड पीएम बनने पर अड़े हुए थे

प्रचंड गठबंधन सरकार का नेतृत्व करना चाहते हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सरकार का नेतृत्व करने पर अड़ी है। काठमांडू में राजनीतिक नाटक जोरों पर चल रहा है। प्रचंड का इरादा सामने आने के बाद सियासी हलकों में अनुमान लगाया गया कि सत्ताधारी गठबंधन के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। फिर से नेपाली कांग्रेस संसदीय दल के नेता चुने गए देउबा और दहल दोनों प्रधानमंत्री पद पाने की खींचतान में अपनी पूरी ताकत झोंक रहे थे। दोनों नेताओं में सहमति बनी थी कि वे पांच साल के कार्यकाल में ढाई-ढाई साल तक प्रधानमंत्री रहेंगे। अब दोनों ही यह पद पहले हासिल करना चाहते हैं।

राष्ट्रपति ने दिया था शाम 5 बजे तक का वक्त

राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने गठबंधन को 7 दिनों के भीतर प्रधानमंत्री के लिए एक नाम की सिफारिश करने की समय सीमा तय की थी। यह रविवार शाम 5 बजे (स्थानीय समयानुसार) समाप्त हो गई। राष्ट्रपति भंडारी ने पार्टियों से संविधान के अनुच्छेद 76(2) के तहत सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार पर सहमति बनाने को कहा था।

प्रचंड ने पीएम बनने के लिए ओली का समर्थन मांगा

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री देउबा के साथ बातचीत विफल होने के बाद प्रचंड प्रधानमंत्री बनने के लिए समर्थन मांगने के लिए सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष केपी शर्मा ओली के निजी आवास पहुंचे। पूर्व प्रधानमंत्री ओली के बालकोट स्थित आवास पर बातचीत चली। प्रतिनिधि सभा में 89 सीटों के साथ नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि सीपीएन-यूएमएल के पास 78 और सीपीएन-एमसी के पास 32 सीटें हैं। प्रचंड के अलावा, जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र यादव, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने भी संयुक्त बैठक में भाग लेने के लिए ओली के आवास पर पहुंचे।

ओली-प्रचंड में बनी सहमति

बैठक के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे थे कि सत्ता और महत्वपूर्ण पदों के बंटवारे पर सहमति बनने के बाद इन पार्टियों द्वारा नई सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। इस बीच ष्टक्क (स्ह्ल) नेता बर्शमन पुन ने भी बताया कि छह दलों के गठबंधन ने अगली सरकार के पीएम के रूप में पुष्पा कमल दहल को पेश करने का फैसला किया। एग्रीमेंट सील कर दिया गया है। दहल ढाई साल तक सरकार का नेतृत्व करेंगे और ढाई साल तक सीपीएन-यूएमएल नेता सरकार का नेतृत्व करेंगे।

इस बीच सीपीएन-एमसी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, रविवार तक नई सरकार के गठन की संभावना नहीं है और पार्टियों को सत्ता के बंटवारे के लिए बातचीत के लिए और समय की आवश्यकता हो सकती है। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में किसी भी दल के पास सरकार बनाने के लिए आवश्यक 138 सीटें नहीं हैं।

समय सीमा रविवार को समाप्त हो रही

संविधान के अनुच्छेद 76(2) के तहत गठबंधन सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रपति बिद्या भंडारी द्वारा दी गई समय सीमा रविवार शाम को समाप्त हो रही है। यदि पार्टियां समय सीमा को पूरा करने में विफल रहती हैं, तो राष्ट्रपति या तो समय सीमा बढ़ा देंगी या फिर वह संविधान के अनुच्छेद 76 (3) के तहत सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए बुलाएंगी। ऐसे में प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत साबित करना होगा।

इन पार्टियों की भूमिका अहम

नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को 20, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को 14, जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) को 12 और जनमत पार्टी को छह सीटें मिली हैं। सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के पास 10 सीटें हैं। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) के पास चार और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के पास तीन सीटें हैं। राष्ट्रीय जनमोर्चा और नेपाल वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी के पास एक-एक सीट है। निचले सदन में पांच निर्दलीय सदस्य होते हैं।

संघर्ष विराम खत्म होने के बाद टीटीपी के हमले तेज,बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के छह जवान मारे गए

इस्लामाबाद , 25 दिसम्बर 2022। संघीय शहबाज शरीफ सरकार और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच संघर्ष विराम खत्म होने के बाद से आतंकी समूह ने हमले तेज कर दिए हैं। सेना की मीडिया विंग ने रविवार को कहा कि टीटीपी ने पिछले दो दिनों में अशांत बलूचिस्तान प्रांत में कई हमले किए हैं। इनमें छह सुरक्षाकर्मियों की जान गई है और कुछ अन्य घायल हुए हैं।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान जारी कर कहा, झोब जिले के सांबाजा इलाके में खुफिया सूचना के आधार पर अभियान चलाया गया। आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आतंकवादी और एक सैनिक मारा गया। आईएसपीआर ने कहा कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर अभियान शुरु किया गया जो पिछले 96 घंटों से जारी है। बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर आंतकवादियों को खैबर पख्तूनख्वा में घुसने और नागरिकों व सुरक्षा बलों को निशाना बनाने से रोकना था। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर ने कहा कि आतंकवादियों को सीमा पार से उनके मददगारों का समर्थन हासिल है।

एक दूसरी घटना में टर्बोक के दानुक गोगदान इलाके में सशस्त्र आतंकवादियों ने शनिवार को फ्रंटियर कोर के एक वाहन को निशाना बनाया। इसके बाद मुठभेड़ में चार सैनिक मारे गए। सीमावर्ती चमन कस्बे में बीती देर रात मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात आतंकवादियों ने एक चेक पोस्ट पर गोलीबारी की जिसमें लेवी का एक जवान मारा गया।

टीटीपी ने तुरबत और चमन में हुए हमलों की जिम्मेदारी ली है। नवंबर में सरकार के साथ संघर्ष विराम खत्म होने के बाद प्रतिबंधित संगठन टीटीपी ने पाकिस्तान में सुरक्षा अधिकारियों पर फिर से आतंकी हमले किए हैं।

हाल के दिनों में राजधानी इस्लामाबाद, लौहार और अन्य स्थानों पर आतंकवादी हमले किए गए हैं। सरकार ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से कहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ हमलों के लिए टीटीपी और अन्य आतंकवादी समूहों को अपनी भूमि का इस्तेमाल न करने दे।

तालिबान ने महिला कर्मचारियों पर लगाई पाबंदी,विदेशी सहायता समूहों ने अफगानिस्तान में अभियानों को रोका

काबुल , 25 दिसम्बर 2022। लड़कियों की विश्वविद्यालय शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के बाद अफगानिस्तान की सरकार ने एक और तालिबानी फरमान जारी किया है। दरअसल, समाचार एजेंसी एएनआई ने रॉयटर्स के हवाले से बताया कि अफगानिस्तान के तालिबान संचालित प्रशासन ने शनिवार को सभी स्थानीय और विदेशी गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को महिला कर्मचारियों को काम पर आने से रोकने का आदेश दिया है। इस बीच, समाचार एजेंसी पीटीआई ने एपी के हवाले से बताया है कि तालिबान के इस फरमान के बाद अफगानिस्तान में विदेशी एनजीओ ने अपने अभियान रोक दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक, अफगानिस्तान के अर्थव्यवस्था मंत्रालय ने इस बाबत स्थानीय और विदेशी गैर-सरकारी संगठनों को पत्र जारी किया है। इससे पहले, हाल ही में तालिबान ने अफगान लड़कियों के लिए विश्वविद्यालय शिक्षा पर बैन लगाया है।

विश्वविद्यालय शिक्षा पर बैन के पीछे बताया था ये कारण

तालिबान ने जब से अफगानिस्तान पर कब्जा किया है, तब से उसने कई ऐसे फैसले लिए हैं जो काफी हैरान कर देने वाले हैं। इनमें महिलाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले भी कई फैसले शामिल हैं। हाल ही में तालिबान के उच्च शिक्षा प्रमुख ने अफगान लड़कियों के लिए विश्वविद्यालय शिक्षा पर बैन लगाने का कारण बताया था। विदेशी मीडिया के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि महिलाओं का पुरुषों से मेलजोल रोकने के लिए उन्हें विश्वविद्यालयों में शिक्षा लेने से प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय में लागू ऐसे पाठ्यक्रम जो इस्लामी कानून और अफगान गौरव के विपरीत हैं, इस्लामी मूल्यों का उल्लंघन कर रहे थे। उनके कारण भी ये फैसला लिया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि छात्रावासों में महिलाओं की मौजूदगी, बिना पुरुष साथियों के प्रांतों से उनका आना-जाना और हिजाब की नाफरमानी को देखते हुए लड़कियों के लिए विश्वविद्यालयों को बंद करने का फैसला लिया गया।

इन फैसलों के जरिए लगाई महिलाओं की आजादी पर पाबंदी

अफगानिस्तान में जब तालिबान सत्ता में आई तब से वहां महिलाओं की ना केवल आजादी पर पाबंदी लगी है बल्कि उनके कई मानवाधिकारों को भी छीना गया है। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से तालिबानी सरकार ने पार्कों में महिलाओं के जाने पर प्रतिबंध, स्कूली शिक्षा पर बैन, महिलाओं के सार्वजनिक स्थानों पर अपना चेहरा ढंकने का आदेश, बिना पुरुष साथियों के बाहर निकलने पर प्रतिबंध जैसे फरमानों के जरिए उनके मानवाधिकारों का हनन किया है।

ईयू ने की कड़ी निंदा

यूरोपीय संघ अफगानिस्तान में गैर सरकारी संगठनों के लिए काम करने वाली महिलाओं पर तालिबान प्रतिबंध की कड़ी निंदा करता है।

कोरोना के कोहराम के बीच चीन ने ठुकरा दी अमेरिकी पेशकश,विदेश से वैक्सीन नहीं लेगें जिनपिंग

बीजिंग , 25 दिसम्बर 2022। चीन ने अमेरिका में बने एमआरएनए वैक्सीन्स के बजाय अपने देश में निर्मित कोविड-19 टीकों का ही इस्तेमाल करते रहने का फैसला किया है। इस बारे में चीन सरकार की दो टूक घोषणा के साथ इन अटकलों पर विराम लग गया कि चीन मॉडेरना और फाइजर-बायोएनटेक कंपनियों के वैक्सीन का आयात करने पर विचार कर रहा है। जीरो-कोविड नीति खत्म करने के बाद चीन में कोरोना संक्रमण की आई जोरदार लहर के बीच पश्चिमी देशों ने चीन को एमआरएनए वैक्सीनों का इस्तेमाल करने की सलाह दी थी। लेकिन चीन ने उसे स्वीकार नहीं किया है।

चीन में इस समय आई लहर कोरोना वायरस के ओमिक्रोन वैरिएंट के एक सब-वैरिएंट के कारण फैली है। चीनी अधिकारियों का कहना है कि ये सब-वैरिएंट जानलेवा नहीं है। बल्कि यह आम फ्लू जैसा है, जिसके संक्रमण से मृत्यु दर निम्न स्तर पर बनी हुई है। इन अधिकारियों का दावा है कि चीन ने जीरो कोविड की नीति अपने इस आकलन के आधार पर बदली कि कोरोना वायरस के अब प्रचलित सब वैरिएंट पहले जितने खतरनाक नहीं हैं, इसलिए इनसे फैली लहर को आसानी से संभाला जा सकता है।

चीनी मीडिया की टिप्पणियों में एमआरएनए वैक्सीन के इस्तेमाल के लिए पश्चिमी देशों से दी जा रही सलाह को अपनी कंपनियों को बाजार दिलवाने की कोशिश में रूप में पेश किया गया है। गौरतलब है कि बीते मंगलवार को अमेरिका ने एमआरएनए वैक्सीन चीन को देने की औपचारिक पेशकश की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा था- 'हम दुनिया भर में कोविड-19 वैक्सीन के सबसे बड़े अनुदान दाता हैं। हम चीन सहित सभी देशों के लिए यह सुविधा जारी रखने को तैयार हैं।' इस बीच यह खबर भी आई कि जर्मनी ने चीन में मौजूद अपने नागरिकों के लिए बायोएनटेक कंपनी के एमआरएनए वैक्सीन भेजने का फैसला किया है। यह एलान खुद बीजिंग स्थित जर्मन राजदूत ने किया।

इस बीच चीनी स्तंभकारों ने संदेह जताया कि अमेरिका की पेशकश के पीछे उसका स्वार्थी एजेंडा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इसके जरिए अपनी टीका उत्पादक कंपनियों को चीन और अन्य देशों का बाजार मुहैया कराने की कोशिश कर रहा है। कुछ चीनी टिप्पणियों में इसे वैक्सीन कूटनीति में चीन पर अमेरिका को बढ़त दिलाने की कोशिश के रूप में देखा गया।

उधर चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग से जब पूछा गया कि क्या चीन अमेरिका की पेशकश को स्वीकार करेगा, तो इस पर उनका जवाब था- 'हम अपने वैक्सीन पर भरोसा करेंगे। पूरे चीन में बूस्टर टीके लगाए जा रहे हैं। देश में मोटे तौर पर मांग के मुताबिक दवाएं और टेस्ट किट उपलब्ध हैं। हमें यकीन है कि देश की जनता की एकता और सघन प्रयासों से चीन मौजूदा आर्थिक और सामाजिक संकल्प के नए दौर में प्रवेश करेगा।'

चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक 13 दिसंबर तक देश की एक अरब 40 करोड़ आबादी में से 90.4 प्रतिशत का टीकाकरण हो चुका था। 57.9 प्रतिशत आबादी को बूस्टर डोज लग चुके थे। अब पर्यवेक्षकों की नजर इस पर है कि अपने टीकों के भरोसे क्या चीन मौतों की संख्या कम रखते हुए कोरोना संक्रमण की ताजा लहर से निकल पाता है?

बर्फीले तूफान की चपेट में पूरा अमेरिका ,18 लोगों की मौत-सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे बंद

वॉशिंगटन ,25 दिसंबर 2022। अमेरिका में बर्फीला तूफान कहर बरपा रहा है। आर्कटिक में आए जोरदार तूफान की वजह से पूरे देश में भयंकर सर्दी से अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इतना ही नहीं 20 लाख घरों और कंपनियों में बिजली की सप्लाई ठप हो गई है। क्रिसमस पर अमेरिका में आए इस तूफान ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। तापमान में गिरावट, तेज सर्द हवाओं और बर्फबारी के साथ ठंड तेजी से आगे बढ़ रही है। देश के बफ़ेलो और न्यूयॉर्क में आपातकालीन सेवाएं भी ठप हो गई हैं। साथ ही शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को भी बंद कर दिया गया है। सर्दियों का तूफान चक्रवात में बदल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि कृपया इस तूफान को बेहद गंभीरता से लें। तूफान का प्रभाव क्रिसमस हॉलिडे ट्रैवल पर भी पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की ओर से जारी अनुमानों के मुताबिक, अमेरिका में इस मौसम में अब तक कम से कम 18 मिलियन लोग बीमार हैं। तूफान की वजह से अमेरिका भर में हजारों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। छुट्टियों की यात्रा को कम कर दिया गया है। लोगों से घरों में रहने की अपील की जा रही है।

ईरान के बाद अब उत्तर कोरिया से भी हथियार ले रहा है रूस!,अमेरिका व जापान ने लगाया आरोप

सियोल , 25 दिसम्बर 2022। क्या उत्तर कोरिया रूस को हथियार बेच रहा है? अमेरिका और जापान ने ऐसे आरोप लगाए हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि उत्तर कोरियाई हथियारों का इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर रहा है। इस खबर को दक्षिण कोरिया और आसपास के देशों में संशय और आश्चर्य की नजरों से देखा गया है। साथ ही उससे चिंता भी पैदा हुई है।

सबसे पहले ये आरोप इस गुरुवार को जापान के एक अखबार की रिपोर्ट में लगाया गया है। उसमें दावा किया गया कि उत्तर कोरिया ने पिछले महीने ट्रेन के जरिए हथियारों की एक खेप रूस भेजी। बाद में गुरुवार को ही ह्वाइट हाउस ने इस आरोप की पुष्टि की। उसने कहा कि उत्तर कोरिया रूस के प्राइवेट मिलिटरी कॉन्ट्रैक्टर वागनेर ग्रुप के जरिए हथियार भेज रहा है।

उत्तर कोरिया ने इस चर्चा को अफवाह बताते हुए इसका खंडन किया है। शुक्रवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया में इस बारे में एक बयान आया। इसके बावजूद जापान के अखबार टोक्यो शिम्बुन की रिपोर्ट इस क्षेत्र में चर्चित बनी हुई है। उसके मुताबिक उत्तर कोरिया के पास ऐसे तोपखाने हैं, जिनकी तैनाती रूस में हुई है। उत्तर कोरिया ने भी अपने यहां उन तोपखानों की तैनाती कर रखी है। ये जगह दक्षिण कोरिया से सिर्फ लगभग 50 किलोमीटर दूर है। बताया जाता है कि उत्तर कोरिया के तोपखाने सोवियत संघ के दौर में रूस में विकसित किए तोपखानों की तरह हैं। उत्तर कोरिया और रूस आज भी इस डिजाइन के तोपखानों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

यूक्रेन के साथ रूस के जारी युद्ध के बीच वागनेर ग्रुप लगातार चर्चा में रहा है। इस ग्रुप के पास अपने सैनिक हैं और बताया जाता है कि उनकी तैनाती यूक्रेन में अधिक जोखिम वाली जगहों पर की गई है। बताया जाता है कि जोखिम वाली जगहों पर लड़ाई लड़ने के लिए ये सैनिक रूस के नियमित सैनिकों की तुलना में अधिक प्रशिक्षित हैं। वेबसाइट एशिया टाइम्स पर छपे एक विश्लेषण में कहा गया है कि अगर उत्तर कोरिया ने सचमुच वागनेर ग्रुप को हथियार दिए हैं, तो उसका यह मतलब माना जाएगा कि रूस की युद्ध योजना में इस समूह की भूमिका बढ़ती जा रही है। ह्वाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जैक किर्बी ने अमेरिका के पास मौजूद सूचना का हवाला देते हुए गुरुवार को कहा था कि उत्तर कोरिया ने वागनेर ग्रुप को रॉकेट और मिसाइलों समेत हथियारों की एक बड़ी खेप दी है।

इसके बाद संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य होने के बावजूद उत्तर कोरिया से हथियार लेकर रूस सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने इसे रूस की 'निंदनीय' कार्रवाई बताया। टोक्यो शिम्बुन ने की रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया था कि उत्तर कोरिया ने रूस को करोड़ों डॉलर के हथियार दिए हैं और खेप 20 नवंबर को रूस पहुंच गई थी। रूस ने तुमेन नदी के ऊरप से पुल बना कर उत्तर कोरिया के साथ अपना जमीनी संपर्क बनाया हुआ है। इस 'फ्रेंडशिप ब्रिज' के जरिए दोनों देशों के बीच ट्रेनें आती-जाती हैं।

कोरिया में भू-माफियाओं के आतंक से कांपी धरती,क्या प्रशासन बेबस कार्यालयीन कर्मचारी भी दलालो के चंगुल में ?

कलेक्टर के निवास वाले हल्का में कमजोर भू स्वामी की आंख में धूल झोंक कर उसकी जमीन को हड़पने की कोशिश,क्या शिकायत पर होगी कार्यवाही ?

» पीड़ित भू स्वामी ने संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव से न्याय की लगाई गुहार

» मुख्यालय में दलालो का आंतक इतना बढ गया है कि धरती भी कांपने लगी है

» दलालो की पहुंच के आगे कभी नही होती कार्यवाही,कमजोर तबके के लोगो को भू माफिया बनाते है अपना शिकार

» तहसील,एसडीएम कार्यालय में कर्मचारी व पटवारी, आरआई की पदस्थापना से लेकर विभागीय कामकाज में दलालो का हस्तक्षेप

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में आए दिन भू-माफियाओ के कारनामे सामने आते रहते हैं, गरीब, कमजोर तबके के लोगो को भू-माफिया अपने बातो में उलझाकर विभिन्न तरीके से प्रताड़ित करते हैं, ये भू-माफिया आज की स्थिति में प्रशासन से कोई भी काम कराने का दावा करते फिरते हैं। जिला मुख्यालय में माफियाओ की बाढ सी आ गई हैं, कई भू स्वामी ऐसे हैं जो कि दलालो के चगुंल में फंसे हुए है, तो कई भू स्वामियो की जमीन को गलत तरीके से विक्रय करा दिया गया। कम जमीन का सौदा कर ज्यादा की रजिस्ट्री करा दी गई तो करोड़ो की जमीन को पानी के मोल विक्रय करा दिया गया। मुख्यालय में दलालो का आंतक इतना बढ गया है कि अब धरती भी कांपने लगी है। दलाल जिस जमीन पर पैर रख दे उसी पर विवाद शुरू हो जाता है ऐसा हम नही बल्कि दलालो के डर से सहमे भू स्वामी ही खुद बयां करते हैं। दलालो के आगे अब प्रशासन की नतमस्तक दिखलाई देता है मामला सामने आने के बाद भी उन पर कोई कार्यवाही नही होती।

अब एक ताजा मामला जिला मुख्यालय से लगे ऐसे क्षेत्र का सामने आ रहा है जहां पर दूसरा और कोई नही बल्कि जिले के प्रशासनिक प्रमुख कलेक्टर कोरिया का निवास है, कलेक्टर कोरिया का निवास वर्तमान में बैकुंठपुर तहसील अंतर्गत ओड़गी हल्का में आता है जहां पर एक कमजोर भू स्वामी की आंख में धूल झोंक कर उसकी ज्यादा जमीन को हड़पने की कोशिश की गई है, यहां मामला और दिलचस्प हो गया है क्योंकि इसमें एक शासकीय कर्मचारी का नाम सामने आ रहा है। पीड़ित भू स्वामी ने संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव से न्याय की गुहार लगाई है, अब देखना है कि हमेषा की तरह भू स्वामी के साथ अन्याय होगा या फिर इस बार दलालो पर कार्यवाही होगी। पूरे प्रकरण में कई लाख के वारे न्यारे की बात भी हो रही है।

संसदीय सचिव से मिला पीड़ित,हुई शिकायत

ताजा मामले में मिल रही जानकारी के अनुसार ओड़गी हल्का क्षेत्र के भू स्वामी भैयालाल राजवाड़े ने संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव से मिलकर एक लिखित शिकायती पत्र सौपा हैं, पत्र के अनुसार भैयालाल राजवाड़े की जमीन ओड़गी में स्थित है जिसका खसरा क्रमांक 507/1 है, उसकी जमीन के बगल में सगे भाई बाबूलाल की जमीन है जिसका खसरा क्रमांक 507/3 है। उक्त जमीन को बैकुंठपुर के कुछ भू माफियाओ के द्वारा योजनाबद्व तरीके से खरीदा गया है। भू माफिया एक साल से लगातार बाबूलाल के घर आना जाना कर रहे थे। जिसके बाद दोनो भाईयो में दलालो के द्वारा विवाद उत्पन्न कराया गया। भू-माफियाओ के द्वारा योजनाबद्व तरीके से बाबूलाल की जमीन की रजिस्ट्री कराई गई जिसमें भैयालाल की जमीन भी फंसी हुई है। भू-माफियाओ के द्वारा 15 दिसंबर को खसरा क्रमांक 507/3 की जमीन की नपाई कराई गई जिसके बाद पंचनामा भी बनाया गया लेकिन पंचनामा में भैयालाल की सहमति लिखी गई जबकि भैयालाल इससे सहमत नही था। उक्त खबर जब सोशल मीडिया में प्रसारित हुई तो इससे बौखलाए भू-माफिया द्वारा शुक्रवार की रात व शनिवार को दोपहर में कॉल करके जमीन नामांतरण में अपनी सहमति देने हेतु दबाव बनाया गया और मेरे द्वारा मना करने पर जान से मारने की धमकी दी गई और गंदी-गंदी गालियां दी गईं। उक्त घटना के बाद आवेदक और उसका परिवार डरा सहमा हुआ है। सूत्रों की माने तो उक्त पूरे प्रकरण को सुनने के बाद संसदीय सचिव ने भू माफिया समेत जिस कार्यालय में वह पदस्थ है उसके अधिकारियो को भी फटकार लगाई है। और जमीन का नामांतरण न होने के लिए भी निर्देशित किया है। मामला सामने आने के बाद जिला मुख्यालय में जमीन दलालो में हड़कंप मचा हुआ है। तो वहीं इससे शासन प्रषासन की भी जमकर किरकिरी हो रही है देखने वाली बात होगी कि मामला उजागर होने के बाद अब आगे क्या कार्यवाही होगी।

भू-माफिया शासकीय कर्मचारी, हो सकती है कार्यवाही

उक्त पूरे मामले मे मिल रही जानकारी के अनुसार प्रकरण में जिस दलाल का नाम सामने आ रहा है वह लोक निर्माण विभाग में नियमित कर्मचारी है। सूत्र बतलाते हैं कि वर्तमान में उसके द्वारा अपने दोस्तों के साथ मिलकर वृहद स्तर पर जमीन की दलाली की जा रही है। कमजोर तबके के लोगो को बहला फुसलाकर इनके द्वारा जमीन का सौदा काफी कम कीमत पर तय किया जाता है, जिसके बाद पावर ऑफ़ एटार्नी या कि रजिस्ट्री दोस्त के नाम पर कराई जाती है। व बाद में उक्त जमीनो को अधिक दर पर विक्रय किया जाता है। जमीन दलाली के मामले में एक शासकीय कर्मचारी द्वारा नियम कायदो व अपनी सीमाओ को लांघते हुए डंके की चोट पर ऐसा कृत्य किया जा रहा है जो कि समझ से परे है। मामले में जिस प्रकार संसदीय सचिव ने रूचि दिखलाई है उससे लगता है कि दलाली का काम कर रहे एक शासकीय कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही हो सकती है।

दलालो को कर्मचारियों का मिलता है पूरा सहयोग

कोरिया जिले में जिस प्रकार जमीन दलालो ने अपना पैर पसारा है वह काफी चिंतनीय है। इन दलालो का संपर्क तहसील व एसडीएम कार्यालय में बैठे कर्मचारियो से रहता है। दलाल पैसो के दम पर कोई भी काम तुरंत कराने में सफल रहते हैं। जिला मुख्यालय के तहसील कार्यालय में भू स्वामी से ज्यादा दलालो की आवाजाही देखी जाती है। कार्यालय के कुछ कर्मचारी जो कि वर्षो से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं उनके द्वारा दलालो को खुला संरक्षण दिया जाता है। कई दलाल कार्यालय में कर्मचारियों के साथ बैठकर चाय पीते भी नजर आते हैं। वैसे तो कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से 5.30 तक है लेकिन अक्सर दलालो को कार्यालयीन समय के बाद ही तहसील कार्यालय में कर्मचारियों के साथ देखा जाता है। पूरा तहसील कार्यालय दलालो से घिरा होने के कारण वहां का माहौल भी खराब रहता है। तहसील के कई काम में दलालो का खुला हस्तक्षेप दिखलाई देता है। भू स्वामियों की माने तो अपने जमीन का कोई भी काम कराना तहसील से बहुत ही कठिन है, लेकिन दलालो का सहयोग लिया जाता है तो वह काम तुरंत ही हो जाता है,तहसील के कर्मचारी दलालो को खुला संरक्षण प्रदान करते हैं, सूत्रों ने बतलाया कि तहसील बैकुंठपुर में पदस्थ कर्मचारी भी दलालो के साथ मिलकर जमीन अफरा-तफरी का काम कर रहे हैं वे दलालो से मिले हुए हैं दलालो का काम आसानी से कराते हैं और इसके एवज मे मोटी रकम भी वसूलते हैं। जिला प्रशसन और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे तहसील कार्यालय में वर्षो से अंगद के पैर की तरह जमे कर्मचारियों को अन्यत्र स्थानांतरण करें जिससे कि कार्यालय का महौल सुधर सके।

जमीन दलाली में पटवारियों की मुख्य भूमिका

अपनी वाजिब जमीन का कोई भी काम कराने में भू स्वामियो को पटवारियों का चक्कर लगाते देखा जाता है। लेकिन यह कहने में कहीं संकोच नही है कि जमीन दलाली में पटवारियों की मुख्य भूमिका होती है। पटवारी के सहयोग के बिना दलाल भी कुछ नही कर सकता, कई पटवारी ऐसे है जिन्हे हमेषा दलालो के साथ देखा जाता है। सूत्र बतलाते हैं कि कई भोले भाले भू स्वामी जो अपने काम से पटवारी के पास आते हैं उनकी कुछ मजबूरी होती है। इसी का फायदा उठाकर दलालो से संपर्क रखने वाले पटवारी इसकी जानकारी दलाल तक पहुंचा देते है जिसके बाद दलाल ऐन केन प्रकार से भोले भाले भू स्वामियों को अपने चंगुल मे लेकर उनकी जमीन हड़प लेते हैं और भू स्वामियों को परेषान होना पड़ता है।

दलालो की सेटिंग हाई लेवल तक, हर काम में करते हैं हस्तक्षेप

जिले में भू माफिया एक संगठित गिरोह की तरह काम कर रहे हैं, इनके कारनामे आए दिन सामने आते रहते हैं। सूत्रों ने बतलाया कि दलालो की पहुंच पैसो के बल पर बहुत ही हाई लेवल तक है। जमीन के मामले में जो हल्का अच्छा माना जाता है उसमें दलालो के द्वारा अपने मनमुताबिक पटवारियो की पोस्टिंग कराई जाती है । पोस्टिंग दलालो के माध्यम से होने के कारण पटवारी भी उनका भरपूर सहयोग करते हैं। तहसील व एसडीएम कार्यालय में भी कर्मचारियो को पदस्थ कराने में इनके द्वारा हस्तक्षेप किया जाता है। ऐसे कई काम होते हैं जो कि विभागीय दृष्टि से काफी अहम और गोपनीय होते हैं उनकी जानकारी कई कर्मचारियो को तक नही होती लेकिन वह दलालो को जरूर लीक कर दी जाती है। दलालो तक जानकारी पहुंचने में कर्मचारियो की संलिप्तता देखी जाती है। बहरहाल जमीन दलाली के उक्त प्रकरण मे अब देखने वाली बात है कि प्रषासन क्या कार्यवाही करती है या फिर दलालों की उच्च स्तरीय सेटिंग के कारण कुछ दिनों बाद षिकायत को नस्ती बद्व कर दिया जाएगा।

क्या नेता प्रतिपक्ष ने मनेंद्रगढ़ विधायक पर लगाया था आरोप तो सक्रिय हुई पुलिस जब्त किया 18 टन अवैध कोयला ?

» छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष ने चिरमिरी क्षेत्र में अवैध कोयला खदान का किया था दौरा

» अवैध उत्खनन देखकर मनेंद्रगढ़ विधायक पर लगाया था आरोप,आरोपों के बाद पुलिस आई हरकत में

» इसबार पकड़े गए ट्रक और कोयले के दस्तावेज प्रस्तुत करने पुलिस कोयला चोरों को पहले की तरह देगी मौका

» पहले भी कई बार पकड़े गए हैं अवैध कोयले से लदे ट्रक,आरोपियों को दस्तावेज उपलब्ध कराने दिया गया है वक्त

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़/ चिरिमिरी 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

फिर एक बार चिरमिरी पुलिस की एक कार्यवाही कोयला चोरी से जुड़ी हुई सामने आ रही है। इस बार एक ट्रक कोयला जिसका वजन 18 टन बताया जा रहा है पुलिस ने पकड़ा है और ट्रक सहित ड्राइवर पर पुलिस कार्यवाही की बात कर रही है वहीं अन्य आरोपियों की तलाश इस मामले में किया जा रहा है यह भी पुलिस का कहना है। पुलिस की पूरी कार्यवाही को विधानसभा छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष के उस दौरे से जोड़कर देखा जा रहा है जिसमे उन्होंने चिरमिरी क्षेत्र के बरतुंगा कालरी क्षेत्र का दौरा किया था जहां अवैध कोयला खदान संचालित थी और खदान खुलेआम संचालित थी।

ज्ञात हो की विधानसभा नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा नेताओं के साथ अवैध कोयला खदान का दौरा किया था और उन्होंने अवैध रूप से संचालित खदानों को लेकर मनेंद्रगढ़ विधायक पर आरोप लगाया था कि विधायक के संरक्षण में कोयला चोरी हो रहा है सड़कें कोयला चोरों की सहूलियत के लिए बनाई गई हैं और प्रशासन मजबूर हो चुका है निरंकुश हो चुका है। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष के दौरे और उनके बयान के कारण ही चिरमिरी पुलिस की हरकत सामने आई है जिसमें उसने एक ट्रक कोयला जब्त किया है और ट्रक सहित ड्राइवर पर कार्यवाही की है। वैसे पूरे मामले में एक सवाल जो खड़ा हो रहा है वह यह कि क्या चिरमिरी पुलिस नेता प्रतिपक्ष के आने का इन्तेजार कर रही थी? क्या पुलिस सरकार और चिरमिरी की कानून व्यवस्था की फजीहत कराना चाहती थी? इसलिए ही वह कोयला चोरी होने दे रही थी और जैसे ही नेता प्रतिपक्ष ने विधायक सहित जिला प्रशासन पर आरोप लगाया पुलिस हरकत में आ गई और कार्यवाही करती देखी गई।

कोयला चोरों के साथ पुलिस की मिलीभगत का आरोप लगते रहें

वैसे कोयला चोरों के साथ पुलिस की मिलीभगत रहती है यह आरोप पुलिस पर लगते रहें हैं लेकिन पुलिस ने इसबार कार्यवाही करते हुए यह भी कहा है कि उनका कोयला चोरों के साथ कोई लेनादेना नहीं है और आरोप निराधार हैं। लेकिन यदि पूरे मामले को यदि समझा जाये तो एकबात पर प्रश्न जरूर उठता है कि क्या सच मे चिरमिरी में जारी बड़े पैमाने पर होने वाले कोयला चोरी के कारोबार से पुलिस अनभिज्ञ थी? नेता प्रतिपक्ष के आने और उनके द्वारा आरोप लगाते हुए बताने के दौरान पता चला अवैध खदानों के बारे में या सबकुछ जानकर पुलिस अनजान थी?

पुलिस को कोयला चोरी का मामला पता नहीं था यह बात कोई भी मानने तैयार नहीं है

जिस स्तर पर कोयला चोरी चिरमिरी में होता है उस स्तर पर बातें प्रदेश तक पहुँच रहीं हैं और नेता प्रतिपक्ष को आकर मौके पर जाकर आरोप लगाना पड़ रहा है ऐसे में यह मानना की पुलिस स्थानीय अनभिज्ञ थी गलत होगा। अब पुलिस ने भले ही नेता प्रतिपक्ष विधानसभा के आरोपों पर सज्ञान लेते हुए कार्यवाही की है और एक ट्रक कोयला मय ड्राइवर जब्त किया है तो देखने वाली बात यह होगी कि क्या ट्रक सहित कोयला राजसात किया जाएगा या कोयला चोरों द्वारा दस्तावेज उपलब्ध करा देने की स्थिति में ट्रक व कोयला छोड़ दिया जाएगा जैसा पहले भी होता आया है।

क्या कार्यवाही केवल दिखावे के लिए नहीं आगे भी जारी रहेगी ?

पहले भी कई गाड़ियां पकड़ी गई और बाद में कोयला चोरों ने दस्तावेज प्रस्तुत कर गाड़ी छुड़ा ली और कार्यवाही शून्य हो गई और पुलिस बाकायदा इसके लिए उन्हें वक्त भी देती रही। अब मामला जो हो कोयला भले नेता प्रतिपक्ष के कहने पर अपनी फजीहत होने से रोकने के लिए पकड़ा गया हो कोयला जब्त हुआ पुलिस सक्रिय दिखी यह अच्छी बात है और उम्मीद की जा रही है आने वाले समय मे कार्यवाही होती रहेगी और कोयला चोरों पर चिरमिरी पुलिस अंकुश लगा पाने में सफल होगी और यह कार्यवाही केवल दिखावे के लिए नहीं आगे भी जारी रहेगी।

क्या नेता प्रतिपक्ष कोयला चोरी की पोल खोलने के प्रयास किया, इस वजह से कार्यवाही की सराहना हो रही ?

नेता प्रतिपक्ष के दौरे और कोयले के अवैध खदानों तक जाकर कोयला चोरी की पोल खोलने के प्रयास की भी इस कार्यवाही के बाद सराहना हो रही है और भाजपा नेताओं का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को आईना दिखाया और सरकार ने भी मामले की गंभीरता को समझा और पुलिस पर कार्यवाही का दबाव बनाया वरना यह करोबार कभी बंद नहीं होता। नेता प्रतिपक्ष के कारण ही सो चुकी शासन प्रशासन व्यवस्था को जागना पड़ा यह भी कहना है भाजपा नेताओं का उनका कहना है कि देर ही सही दुरुस्त आये और यह स्वीकारोक्ति ही है तो है जो कार्यवाही को मजबूर हुई है स्थानीय पुलिस नेता प्रतिपक्ष आईना नहीं दिखाते कार्यवाही नहीं होती यह भी कहना है भाजपा नेताओं का।

मामले से जुड़े कुछ सवाल

सवाल: क्या नेता प्रतिपक्ष ने मनेंद्रगढ़ विधायक पर लगाया था आरोप तो सक्रिय हुई पुलिस जब्त किया 18 टन अवैध कोयला?

सवाल: क्या आरोप लगने की वजह से ही पुलिस आई हरकत में, क्या इसीलिए पकड़ा गया एक ट्रक अवैध कोयला?

सवाल: पहले पुलिस ने क्यों नहीं कि कार्यवाही,क्यों कोयला चोरी का कारोबार रहा जारी,उठ रहे सवाल?

सवाल: क्या विधानसभा नेता प्रतिपक्ष दौरा नहीं करते तो नहीं पकड़ा जाता अवैध कोयला,क्या नहीं होती कार्यवाही?

सवाल: क्या पकड़ा गया ट्रक एवम कोयला होगा राजसात,या पुलिस की कार्यवाही केवल दिखावे के लिए?

सवाल: क्या इसबार पकड़े गए ट्रक और कोयले के दस्तावेज प्रस्तुत करने पुलिस कोयला चोरों को पहले की तरह देगी मौका?

केल्हारी वन विभाग विश्राम गृह में सदभाव पत्रकार संघ छत्तीसगढ़ का एमसीबी जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुआ

» जिला अध्यक्ष मोहम्मद शकील अंसारी एवं जिला महामंत्री रजनीश श्रीवास्तव जी को जिम्मेदारी दी गई

संवाददाता
मनेंद्रगढ़, , 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जानकारी के अनुसार प्रदेश उपाध्यक्ष डी सी बघेल के मार्गदर्शन में केल्हारी विश्राम गृह में बैठक रखी गई जिसमें सर्वसम्मति से मोहम्मद शकील अंसारी को एमसीबी का जिला अध्यक्ष एवं रजनीश श्रीवास्तव जी को जिला महामंत्री का दायित्व दिया गया साथ ही संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार भगवान सिंह को जिला उपाध्यक्ष राकेश सोनी को जिला मिडिया प्रभारी श्री इसनू यादव तथा तहसील केलहारी प्रभारी फैजान अख्तर एवं मनेन्द्रगढ़ ब्लाक अध्यक्ष राकेश बंसल को जिम्मेदारी दीं गई. बैठक मे सर्व प्रथम भारत माता की प्रतिमा मे पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. तथा पत्रकार फंड की बात रखी गई जिसके लिए सभी उपस्थित पत्रकार साथियो ने एक स्वर ने हामी भरी फंड कैसे बनेगा इस पर चर्चा हुआ. निर्वाचत पदाधिकारियो को एक महीने का समय दिया गया है की वे जिला कार्य कार्यकारिणी बना कर प्रदेश कार्य समिति की अवगत कराये. बैठक के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष डी सी बघेल ने अपने उद्बोधन मे कहा की हम सब एक है कोई पदाधिकारी नहीं है और हम सब पदाधिकारी है अपने बिच कभी भी मतभेद ना हो सुख दुख मे हम सब एक दूसरे के साथ है. वही नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष मोहम्मद शकील अंसारी ने कहा की कभी भी हमारे संगठन के साथियो के ऊपर किसी भी प्रकार का कोई मुसीबत होता है तो मै और मेरा पूरा संगठन साथ रहेंगे. साथ ही जल्द ही कोरिया बैकुंठपुर का गठन कर लिया जायेगा. इस बैठक मे वनंचल क्षेत्र एवं चिरमिरी नागपुर मनेन्द्रगढ़ से मनमोहन प्रसाद सांधे वरिष्ठ पत्रकार एवं सरगुजा सम्मभाग के उपाध्यक्ष नथथू प्यासी जनकपुर ब्लाक अध्यक्ष सुनील सिंह ,प्रणव कृष्ण तिवारी ,हनुमान प्रसाद यादव ,जीतेन्द्र गुप्ता ,वरिष्ठ पत्रकार दुर्गा केशरवानी ,वक़ील अंसारी एवं काफ़ी संख्या मे सद्धाव पत्रकार संघ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दी।

CMYK

निजी नर्सिंग होम संचालक के जन्मदिन में लगे सभी बैनरों में भाजपा को विनीत बताया,क्या बैनर भाजपा जिला कोरिया इकाई ने छपवाया ?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर शहर के सुर्खियों में रहने वाले निजी नर्सिंग होम संचालक डॉक्टर राकेश शर्मा का जन्मदिवस सम्पन्न हुआ। डॉक्टर शर्मा ने अपना जन्मदिवस भव्य तरीके से मनाया और कवि सम्मेलन सहित भोज का भी अयोजन उनकी तरफ से किया गया। डॉक्टर साहब ने इसी अवसर पर अपने नर्सिंग होम में आधुनिक सुविधाओं का भी विस्तार किया और उसका उद्घाटन किया। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती अवसर पर ही डॉक्टर साहब की जन्मतिथि थी और डॉक्टर साहब ने भाजपाइयों को आकर्षित करने पूर्व प्रधानमंत्री की याद में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जिससे भाजपाई भी आकर्षित हुए और खुद को आने से रोक नहीं सके। डॉक्टर साहब के जन्मदिन अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने भी उनके अयोजन स्थल पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और कार्यक्रम ने शामिल हुए डॉक्टर साहब ने कुल मिलाकर अपना जन्मदिन पहली बार बड़ी धूमधाम से मनाया और जिसमे शहर भर के लोग शामिल हुए। डॉक्टर साहब ने अपने जन्मदिन अवसर पर शहर भर में बैनर लगवाए और अब बैनर को लेकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या यह बैनर डॉक्टर साहब ने लगवाया है या बैनर भाजपा जिला इकाई कोरिया ने लगवाया है? डॉक्टर साहब ने जितने भी बैनर लगवाए हैं सभी मे विनीत भाजपा कोरिया लिखवाया गया है और सभी बैनर भाजपा कोरिया से लगी हैं सभी यही मान रहें हैं जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष ने इसबात से इंकार किया है कि भाजपा ने बैनर लगवाए हैं भाजपा कोरिया ने बैनर नहीं लगवाए यह जिलाध्यक्ष भाजपा का कहना है।

- निजी नर्सिंग होम संचालक ने अपने जन्मदिन पर शहर भर में लगवाया बैनर, बैनर को लेकर उठ रहे सवाल
- डॉक्टर शर्मा के जन्मदिन अवसर पर लगवाए गए बैनरों में भाजपा बनी निवेदक व विनीत भाजपा जिला कोरिया बैनर में छपवाया गया
- सभी बैनरों में भाजपा को विनीत बताना,क्या बैनर भाजपा जिला कोरिया इकाई ने छपवाया ?
- डॉक्टर शर्मा के बैनरों में कुछ ऐसी भी तस्वीरें जो नहीं रखते डॉक्टर शर्मा से वास्ता
- कांग्रेस से ताल्लुक रखने वाले लोगों की भी बैनर में फोटो, बैनरों में भाजपा को ही बताया विनीत
- भाजपा जिलाध्यक्ष का बयान भाजपा ने नहीं छपवाया बैनर, नहीं लगवाया शहर में बैनर।
- भाजपा के अन्य नेताओं के जन्मदिन अवसर पर छपे बैनरों में कभी पार्टी नहीं रही विनीत
- क्या डॉक्टर शर्मा अपने हिसाब से भाजपा को चलाना चाहते हैं,क्या जिले में अपने को ही वह सर्वेसर्वा मानते हैं ?
- पार्टी से ऊपर खुद को मानने की यह सोच डॉक्टर साहब को भारी न पड़े,नाराजगी का नेताओं के कारण न बने

डॉक्टर साहब से कोई श्रद्धा नहीं है रखने वाले की तस्वीर भी बैनर में गई

डॉक्टर साहब ने बैनरों में सभी भाजपा नेताओं की तस्वीर छपवाई है, क्या छोटे क्या बड़े सभी भाजपा नेताओं की तस्वीर बैनरों में देखी जा सकती है वहीं कुछ ऐसी भी तस्वीरें हैं जो ऐसे लोगों की हैं जो डॉक्टर साहब से कोई वास्ता नहीं रखते और उन्हें डॉक्टर साहब से कोई श्रद्धा नहीं है फिर भी उनकी तस्वीर बैनर में लगाई गई है।

कांग्रेस पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों की भी तस्वीरें बैनरों में

कांग्रेस पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों की भी तस्वीरें बैनरों में देखी जा रही हैं और उसमें भी विनीत भाजपा कोरिया ही है। कांग्रेस पृष्ठभूमि वाले नेताओं की तस्वीरों को भाजपा जिला जिला कोरिया विनीत लिखकर छपवाकर शहर में लगवाए जाने मामले में जहां भाजपा इसे अपने लिए फायदेमंद मान सकती है वहीं ऐसे नेताओं को कांग्रेस पार्टी में जवाब देना पड़ सकता है यदि उनकी सहमति से बैनर छपा है वैसे यदि उन्होंने डॉक्टर साहब के नेतृत्व में भाजपा में जाना तय कर लिया है तब वह निश्चिन्त रह सकते हैं वरना डॉक्टर साहब उनकी मुसीबत बढ़ा गए हैं। डॉक्टर साहब को नेतागिरी का जुनून सवार हुआ है और डॉक्टर साहब लोकसभा जाने की तैयारी कर रहें है यह सभी सब जान चुके हैं और इसीलिए यह सब तैयारी है यह माना जा सकता है।

डॉक्टर साहब बैनर पोस्टर में अव्वल चलते हुए नई परंपरा शुरू कर दी पार्टी को विनीत बनाने की

डॉक्टर साहब बैनर पोस्टर मामले में अव्वल चले आ रहे थे और अब उन्होंने नई परंपरा पार्टी में शुरू कर दी है जो विनीत पार्टी को बनाने की है जो अन्य नेताओं के लिए भी आगे सीख होगी यह माना जा सकता है वहीं डॉक्टर साहब के आत्मविश्वास की भी सराहना हो रही है जो उन्होंने भाजपा नेताओं से बिना पूछे बैनरों में पार्टी को विनीत बता दिया और अपने मन से बैनर छपवा दिया शहर भर में लगवा भी दिया।

डॉक्टर साहब टिकट को लेकर आश्वस्त हैं और उन्हें आशा नहीं विश्वास है

डॉक्टर साहब के आयोजन में पहुचने वाले सभी भाजपा नेताओं को भी इस बात की स्वीकारोक्ति करते देखा गया कि डॉक्टर साहब लोकसभा में पार्टी के प्रत्याशी हो सकते है। वैसे डॉक्टर साहब टिकट को लेकर आश्वस्त हैं और उन्हें आशा नहीं विश्वास है कि इसबार लोकसभा में उनका लोकसभा का टिकट फाइनल है और इसीलिए डॉक्टर साहब मेहनत कर रहे हैं। वैसे डॉक्टर साहब ने अपने जन्मदिन को भव्यता देने और अपना राजनीतिक रूप से राजनीतिक जीवन में कदम रखने के लिए किया गया यह आयोजन काफी सफल रहा और हर वह व्यक्ति कार्यक्रम में पहुचा जिसे डॉक्टर साहब ने बुलाया था।

डॉक्टर साहब किसके विश्वास पर राजनीति में ताल ठोंक रहें हैं यह तो भाजपाई भी बता पाने में असमर्थ है

बैकुंठपुर के इन डॉक्टर साहब के जन्मदिन की पोस्टर सहित आयोजन को लेकर सोशल मीडिया पर भी मामला चलता देखा गया सोशल मीडिया पर जो पढ़ने और देखने को मिला उसके अनुसार भाजपा का डॉक्टर साहब पर दांव लगाना भाजपा की बड़ी गलतियों में से एक हो सकता है, डॉक्टर साहब के समर्थकों की संख्या जहां सोशल मीडिया पर कम देखने को मिली वहीं डॉक्टर साहब की आलोचनाएं ज्यादा देखी गईं। डॉक्टर साहब पर लगे पुराने आरोपों को लोग आपस मे गिनवाते नजर आए वहीं डॉक्टर साहब की सामाजिक सरोकार से जुड़ी बातों को दिखावा बताया गया। डॉक्टर साहब किस विश्वास और किसके विश्वास पर राजनीति में ताल ठोंक रहें हैं यह तो कोई भाजपाई भी बता पाने में असमर्थ नजर आ रहा है लेकिन सुगबुगाहट यह है कि डॉक्टर साहब का जुगाड़ ऊपर से है और डॉक्टर साहब इसी लिए आश्वस्त हैं और लगातार ताल राजनीति में ठोंक रहें हैं।

राजनीतिक क्षेत्र से कांग्रेस सहित भाजपा व मीडिया के लोग बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए

राजनीतिक क्षेत्र से कांग्रेस सहित भाजपा वही मीडिया के लोग बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए। डॉक्टर साहब के कार्यक्रम में यह भी देखने को मिला कि डॉक्टर साहब पर आरोप भले गंभीर लगते आये हों लेकिन उनके बुलावे पर आने वालों की तादाद काफी अधिक थी जो उनकी लोकप्रियता कही जा सकती है वैसे यह लोकप्रियता चुनाव में मत में कितने प्रतिशत परिवर्तित होगा? क्या उन्हें लोकसभा में अवसर मिलेगा यह भविष्य के गर्भ में है अभी से इसको लेकर कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

कलेक्टर ध्रुव ने मझौली गौठान में गौठान गतिविधियों का किया निरीक्षण

- कलेक्टर ने कोदो-कुटकी की पारंपरिक कृषि को बढ़ावा देने ग्रामीणों से की चर्चा
- ग्राम सैंदा और मझौली में ग्रामीणों की विभिन्न मांगों के समाधान हेतु विभागों को किया निर्देशित

ईस्नु प्रसाद यादव
मनेंद्रगढ़, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री पीएस ध्रुव गत शनिवार को विकासखण्ड खड़गंवा के मझौली गौठान स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौठान गतिविधियों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गोबर खरीदी, खाद निर्माण व बाड़ी विकास कार्य को बढ़ाने तथा अन्य गतिविधियां शुरू करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री ध्रुव ने इस दौरान मौजूद समूह की दीदियों एवं ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं से अवगत हुए और तत्काल निराकरण की कार्यवाही की गई।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने ग्रामीणों को पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि कोदो-कुटकी, मेझरी आदि की कृषि फायदेमंद है।

इस दौरान उन्होंने सीईओ जनपद पंचायत को गौठान में खाद उत्पादन को बढ़ावा देने महिला स्वयंसहायता समूह को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री ध्रुव ने ग्राम पंचायत सैंदा के पण्डोपारा में भ्रमण के दौरान पीएचई विभाग को पानी की समस्या से ग्रामीणों को राहत पहुंचाने हेतु हैंडपम्प मरम्मत करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम सैंदा में लो वोल्टेज की समस्या का जल्द निराकरण करने तथा ग्राम पंचायत मंझौली में ग्रामीणों की मांग पर ट्रान्सफार्मर लगवाने की प्रक्रिया शुरू करने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

एनटीपीसी कोरबा सीएसआर द्वारा सामाजिक नैगमिक दायित्व के तहत तीरंदाजी प्रतिभा खोज शिविर का किया जा रहा आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एनटीपीसी कोरबा सीएसआर द्वारा सामाजिक नैगमिक दायित्व के तहत तीरंदाजी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभा खोज किया जा रहा है। तीरंदाजी प्रतिभा खोज हेतु यह शिविर कोरबा जिले के चार अलग अलग क्षेत्रों में एक- एक सप्ताह के लिए आयोजित होगें। शिविर का पहला आयोजन सुदूर वनांचल ग्राम देवपहरी के गौमुखी सेवा धाम में दिनांक 15.12.2022 से 21.12.2022 तक किया गया, जिसमें माध्यमिक एवं हाई स्कूल के लगभग 100 बालक एवं बालिका सम्मिलित होकर खेल के इस प्राचीन विधा में कौशल निखारने मार्गदर्शन प्राप्त किये। उक्त तीरंदाजी शिविर में तीरंदाजी के नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट एवं राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित श्री भरत यादव ने खेल की बारीकियों से अवगत कराते हुए अपना मार्गदर्शन प्रदान कियद्ध द्ध दिनांक 21.12.2022 को शिविर के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी कोरबा के मुख्य महाप्रबंधक श्री पी एम जेना ने कहा की ÷एनटीपीसी कोरबा का लक्ष्य सामाजिक दायित्व के अंतर्गत युवाओं के कौशल विकास एवं प्रतिभा को निखारना है। इस प्रतिभा खोज शिविर के द्वारा हम प्रतिभाशील उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हम आशा करते हैं की अधिक से अधिक खिलाड़ी इस शिविर में भाग लेकर इसका लाभ उठा सकें। एनटीपीसी लिमिटेड ने तीरंदाजी को बढ़ावा देने के लिए कॉर्पोरेट स्तर पर भारतीय तीरंदाजी संघ के साथ भी भागीदारी की है।जिले में तीरंदाजी को बढ़ावा देने के लिए यह एक सार्थक पहल है। समापन समारोह में सीएसआर एनटीपीसी कोरबा से विरेन्द्र कुमार देशमुख , राजेन्द्र कुमार जोगी, गौमुखी सेवा धाम प्रकल्प के डा्. देवाशीष, स्कुल के शिक्षकगण , ग्रामीण एवं ममता अभिभावक गण उपस्थित थे।शिविर के अगले क्रम में ग्राम लेमरू और अजगरबहार आदि स्थानों में तीरंदाजी प्रतिभा खोज का आयोजन किया जायेगा।

निजात अभियान के अंतर्गत पुलिस सहा. केंद्र जटगा थाना कटघोरा के ग्राम बरबसपुर एवं थाना करतला क्षेत्र ग्राम करतला में चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

- संवाददाता -
कोरबा, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत। पुलिस सहा. केंद्र जटगा थाना कटघोरा के ग्राम बरबसपुर में ग्राम वासियों को हमर बेटी हमर मान,अभिव्यक्ति एप्प , साइबर क्राइम, गुड टच बैड टच, यातायात के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर नाबालिग बच्चों को गाड़ी न चलाने देने के संबंध मे जानकारी देकर जागरूक किया गया। ग्राम बरबसपुर में जाकर कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामवासियों संबोधित करते हुए नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर नशे से दूर रहने बुराइयों से बचने की सलाह दिया गया । वहीं थाना करतला के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) करतला के प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ को भी हमर बेटी हमर मान, अभिव्यक्ति एप्प,साइबर क्राइम गुड टच बैड टच, यातायात के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) करतला के प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ को संबोधित करते हुए नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताकर नशे से दूर रहने बुराइयों से बचने की सलाह दी गयी ।

निजात अभियान को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान,लीडरशिप इन क्राइम प्रिवेंशन कैटेगरी में प्रतिष्ठित आईएसीपी 2022 अवार्ड के लिए हुआ चयन

- संवाददाता -
कोरबा, 25 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय संस्था इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ चीफ्स ऑफ पुलिस (आईएसीपी) द्वारा तत्कालीन पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव संतोष सिंह के कार्यकाल के दौरान राजनांदगांव पुलिस द्वारा चलाए गए नशा-विरोधी, निजात अभियान को संस्थागत श्रेणी के %लीडरशिप इन क्राइम प्रिवेंशन% कैटेगरी में अमेरिका के प्रतिष्ठित आईएसीपी अवार्ड हेतु चुना गया है। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश और डीजीपी श्री अशोक जुनेजा के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। निजात अभियान एक कार्यवाही व जागरुकता अभियान है, जिसमें अवैध नशे के सौदागरों पर सख्त कार्यवाही के साथ ही नशे के विरुद्ध जन जागरूकता और नशे के आदी लोगों का पुनर्वास शामिल है। इस चर्चित अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष तत्कालीन एसपी कोरिया संतोष सिंह द्वारा किया गया था। उसके बाद राजनांदगांव और वर्तमान में कोरबा पुलिस सहित कई जिलों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी वर्ष गृह मंत्रालय, भारत सरकार की संस्था पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) ने कोरिया पुलिस द्वारा शुरू किए गए निजात अभियान को देश के तीस सर्वोत्तम स्मार्ट-पुलिसिंग अभियानों में शामिल किया था। राजनांदगांव पुलिस के साथ ही गढ़चिरौली पुलिस के तत्कालीन एसपी अंकित गोयल के माओवाद विरोधी कार्यक्रम %दादा लोरा खिड़की% को संस्थागत श्रेणी के सामुदायिक पुलिसिंग कैटेगरी में आईएसीपी अवार्ड हेतु चुना गया है। संस्था द्वारा पुलिसिंग में किए गए बेहतर कार्यों के आकलन के आधार पर इस अवार्ड के लिए चयन किया गया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि पा चुके जीरो-टॉलरेंस कार्रवाई और व्यापक जन-जागरूकता वाले कार्यक्रम निजात अभियान के अब कोरबा जिले में भी सार्थक परिणाम आने लगे हैं। वर्तमान में कोरबा जिले में निजात अभियान के तहत पुलिस नशीले पदार्थों और अवैध शराब की तस्करी को प्रभावी ढंग से रोकने में सफल रही है। जिले के थानों में नशे के आदी लोगों की काउंसलिंग के साथ ही नशा-मुक्ति कक्ष भी निर्माणाधीन है। अभियान के तहत सैकड़ों की संख्या में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। लोग नशे की लत छोड़कर सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए जिले के सभी कस्बों और दूरदराज के गांवों में बैठक, रैली, नुक्कड़ नाटक, वॉल राइटिंग, पोस्टर, बैनर आदि लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान में समाज के सभी लोगों और वर्गों की सहभागिता हो रही है और व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

अश्विन और अय्यर ने भारत को दिलाई रोमांचक जीत

8वें विकेट के लिए 71 रन की अटूट साझेदारी

मीरपुर, 25 दिसंबर 2022। रेयस अय्यर और रविचंद्रन अश्विन ने विषम परिस्थितियों में धैर्य और प्रतिबद्धता का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए आठवें विकेट के लिए 71 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में रविवार को यहां तीन विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। भारत ने 145 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुबह चार विकेट पर 45 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसने तीन विकेट जल्दी गंवा दिए जिससे उसका स्कोर सात विकेट पर 74 रन हो गया। अय्यर (46 गेंदो पर नाबाद 29) और अश्विन (66 गेंदों पर नाबाद 42) ने यहीं से जिम्मेदारी संभालकर 105 गेंदों पर 71 रन की साझेदारी की और बांग्लादेश के जबड़े से जीत छीन कर भारत को चौथे दिन लंच से पहले ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया।
बांग्लादेश के ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज (63 रन देकर पांच विकेट) ने पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया लेकिन यह पर्याप्त साबित नहीं हुआ। भारत ने इस तरह से दो मैचों की श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप करके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) मैं अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली। भारत ने चटगांव में खेला गया पहला टेस्ट मैच 188 रन से जीता था।

रविवार को खेल शुरू होने के तुरंत बाद ही बांग्लादेश के स्पिनर हावी हो गए। भारत ने दिन के दूसरे ओवर में ही जयदेव उनादकट (13) का विकेट गंवा दिया था। उनादकट ने मिराज पर छक्का जड़ा लेकिन शाकिब अल हसन ने उन्हें तुरंत ही पगबाधा आउट कर दिया। उनादकट ने डीआरएस का सहारा लिया लेकिन उन्होंने ऐसा करके एक 'रिव्यू% ही बर्बाद किया। ऋषभ पंत ने जवाबी हमला करने की रणनीति अपनाई ताकि गेंदबाजों पर दबाव बनाए जा सके। पहली पारी में 93 रन बनाने वाले बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को मिराज ने जल्द ही पगबाधा आउट कर दिया। पंत केवल नौ रन बना पाए। मिराज ने अक्षर पटेल (34) के रूप में अपना पांचवां विकेट लिया। उनकी सीधी गेंद पटेल के पैड से लगकर विकेटों में समा गई जिससे भारत का स्कोर सात विकेट पर 74 रन हो गया। ऐसे में भारत पर बांग्लादेश के हाथों टेस्ट क्रिकेट में पहली हार का खतरा मंडराने लगा लेकिन अश्विन और अय्यर ने दृढ़ इरादों के साथ बल्लेबाजी की। इन दोनों ने पहले विकेट बचाए रखने को प्राथमिकता दी। अय्यर ने 41वें ओवर में शाकिब पर लगातार दो चौके जड़कर स्कोरबोर्ड को गति प्रदान की। अय्यर ने मिराज के अगले ओवर में कवर क्षेत्र में खूबसूरत चौका जमाया। बांग्लादेश ने साझेदारी तोड़ने के लिए तेज आक्रमण भी लगाया लेकिन उसकी रणनीति भी नहीं चली। अश्विन को एक रन के निजी योग पर मोमिनुल हक ने जीवनदान दिया था और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। अश्विन ने खालिद अहमद पर दो चौके लगाकर भारत के लिए लक्ष्य 26 रन कर दिया था। मिराज को दूसरे छोर से गेंदबाजी करने के लिए बुलाया गया लेकिन अश्विन ने उन पर पहले छक्का और फिर लगातार दो चौके जमाकर भारत को जीत दिलाई। इस जीत के बावजूद भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले अपने खेल में सुधार करना होगा। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के फॉर्म चिंता का विषय है। पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में आठ विकेट लेने वाले कुलदीप यादव को इस मैच से बाहर करना भी चर्चा का विषय रहा।

श्रीलंका सीरीज से पहले टीम में होगा बड़ा बदलाव

इस खिलाड़ी को मिल सकती है कप्तानी

ढाका, 25 दिसंबर 2022। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश की टीम को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में धूल चटा दी है। इसके बाद अब भारतीय टीम अपनी सरज़मीं पर श्रीलंका के खिलाफ भिड़ने वाली है। जनवरी 2023 में भारत और श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के लिए जल्द ही भारतीय टीम का ऐलान हो सकता है।

कार्यवाह कप्तान केएल राहुल को नहीं जगह

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में बांग्लादेश सीरीज के लिए कार्यवाहक कप्तान बनाए गए केएल राहुल को जगह नहीं मिली है। दरअसल केएल राहुल ने बीसीसीआई से पहले ही जनवरी में छुट्टी मांगी थी जो अप्रूव हो चुकी है। माना जा रहा है कि जनवरी के शुरुआती सप्ताह में ही केएल राहुल बॉलीवुड अभिनेत्री आथिया शेट्टी के साथ शादी के बंधन में बंध सकते है।

चेतन शर्मा की समिति करेगी टीम का चयन

श्रीलंका के साथ होने वाली सीरीज के लिए चेतन शर्मा के नेतृत्व में चयन समिति खिलाड़ियों का चयन करेगी। इस सीरीज के लिए पुरानी चयन समिति ही चयन करेगी। नई चयन समिति की नियुक्ति का निर्माण इतनी जल्दी होना संभव नहीं है इसलिए पुरानी समिति को ही ये काम सौंपा गया है।

नई समिति के लिए इंटरव्यू पेंडिंग

जानकारी के मुताबिक टी20 विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा था। इस टीम का चयन चेतन शर्मा के नेतृत्व वाली समिति ने किया था, जिसके बाद इस समिति को बर्खास्त कर लिया गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नई समिति के निर्माण के लिए आवेदन मंगाए थे। इस समिति के लिए अब तक इंटरव्यू नहीं किए गए है। माना जा रहा है कि ये इंटरव्यू 26-28 दिसंबर के बीच आयोजित किए जाएंगे, जिसके बाद नई सिलेक्शन समिति का निर्माण होगा।

हार्दिक पांड्या को मिल सकती है कमान

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में हार्दिक पांड्या ने कप्तानी की थी। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 सीरीज में जीत हासिल की थी। माना जा रहा है कि श्रीलंका के खिलाफ सीरीज हार्दिक पांड्या को कमान सौंपी जा सकती है क्योंकि रोहित शर्मा के अंगुठे में चोट आई है, जो अब तक ठीक नहीं हुआ है। वहीं केएल राहुल छुट्टी पर होंगे। ये भी संभावना है कि टी20 फॉर्मेट से विराट कोहली को ब्रेक दिया जा सकता है।

ऐसे होंगे मैच

पहला टी20 - 3 जनवरी (मुंबई)
दूसरा टी20 - 5 जनवरी (पुणे)
तीसरा टी20 - 7 जनवरी (राजकोट)
पहला वनडे - 10 जनवरी (गुवाहाटी)
दूसरा वनडे - 12 जनवरी (कोलकाता)
तीसरा वनडे - 15 जनवरी (तिरुवनंतपुरम)

शरत और मनिका ने प्रशासनिक संकट के बावजूद बिखेरी चमक

नयी दिल्ली 25 दिसंबर 2022। दिग्गज अचंता शरत कमल और मनिका बत्रा ने पिछले 12 महीनों में टेबल टेनिस में प्रशासनिक संकट के बावजूद अपनी चमक बिखेरी। चालीस वर्षीय शरत ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में एकल वर्ग के स्वर्ण पदक सहित कुल तीन स्वर्ण पदक जीतकर दिखाया कि उम्र केवल एक नंबर है। उन्होंने 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेने का फैसला किया है लेकिन 2022 में शरत ने खेल प्रशासन में भी कदम रख दिया है। उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट आयोग का उपाध्यक्ष चुना गया है। इसके अलावा उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के खिलाड़ियों के संघ में भी संयुक्त अध्यक्ष पद पर चुना गया है।
शरत को देर से ही सही लेकिन इस साल भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया जहां उन्होंने एकल, टीम और 24 वर्षीय श्रीजा अकुला के साथ मिलकर मिश्रित युगल का खिताब जीता था। राष्ट्रमंडल खेल 2018 में चार पदक जीतने वाली मनिका बत्रा से बर्मिंघम खेलों में काफी उम्मीदें की जा रही थी लेकिन वह अपेक्षाओं का बोझ नहीं सह पाई और उन्हें बिना पदक के स्वदेश लौटना पड़ा। इसके तीन महीने बाद उन्होंने हालांकि बैंकॉक में एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली की इस खिलाड़ी ने तीन दिन के अंदर शीर्ष 10 में शामिल दो खिलाड़ियों को हराकर कांस्य पदक जीता।
वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी। टेबल टेनिस के लिए हालांकि वर्ष की शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा दिल्ली उच्च न्यायालय ने संचालन संबंधी गड़बड़ियों के कारण भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) को निलंबित कर दिया था। इससे खिलाड़ियों के राष्ट्रमंडल खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने को लेकर आशंका पैदा हो गई। अदालत से नियुक्त प्रशासकों की समिति ने हालांकि खिलाड़ियों के अभ्यास पर प्रभाव नहीं पड़ने दिया।
इसके बाद इस महीने के शुरू में नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने जिम्मेदारी संभाली और उनके सामने पहला काम राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। प्रशासकों की समिति को महासंघ के दैनिक कार्यों को चलाने के अलावा अदालती कार्रवाई से भी जूझना पड़ा। कम से कम चार खिलाड़ियों-मानुष शाह, स्वास्तिका घोष, अर्चना कामथ और दीया चितले ने राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर करने पर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इनमें चितले सफल भी रही और उन्हें बर्मिंघम जाने वाली टीम में शामिल किया गया।

मैं जीतने के लिए बना हूं

पैन-इंडिया स्टार यश के लिए साल 2022 शानदार रहा। उनकी फिल्म केजीएफः चैप्टर 2 ने बॉक्स-ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ दिए। अभिनेता का कहना है कि वह जीतने के लिए बने हैं। यश ने खुलासा किया, बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं, अब आप क्या करते हैं, आप क्या कर सकते हैं (केजीएफ की सफलता के बाद), मैंने कहा कि आपको क्या लगता है, यह अंतिम है (केजीएफ और बॉक्स ऑफिस नंबर की सफलता) हो सकता है आपके लिए है या किसी और के लिए है।
मैं कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो यह कहने जा रहा है कि मुझे बस इस सफलता को भुनाना चाहिए, खुद को स्थापित करना चाहिए और अभी आराम करना चाहिए। मैं कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो प्रशासन के लिए बना हो, मैं कोई ऐसा व्यक्ति हूं जो और अधिक जीतने के लिए तैयार है।
आगे एक्टर ने कहा, मैं कुछ ऐसा करूंगा जो मुझे रोमांचित करे। यह ठीक है अगर मैं लड़ते हुए मर जाऊं, लेकिन मैं कोई ऐसा व्यक्ति हूं जो किसी ऐसी चीज के लिए लड़ रहा हूं जो मुझे उत्साहित करती है। यश ने केजीएफः चैप्टर 2 के साथ दुनिया भर में 1,250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई के साथ साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर दी है।

अदिति शर्मा ने रब से है दुआ के लिए सीखी उर्दू

कलीरें एक्ट्रेस अदिति शर्मा ने खुलासा किया कि टीवी शो रब से है दुआ में दुआ की भूमिका निभाने के लिए सही उर्दू का उच्चारण करना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहाः मैं वास्तव में उर्दू भाषा का शौकीन हूं, क्योंकि यह बहुत ही सम्मानजनक है। इसके अलावा, मुझे उर्दू बहुत आकर्षक और उत्तम दर्जे की लगती है, लेकिन चूंकि मैं दिल्ली से हूं, इसलिए मेरे हिंदी बोलने का तरीका बहुत अलग है। इसलिए ईमानदारी से कहूं तो दुआ के अपने किरदार को निभाने के लिए उर्दू को ठीक करना मेरे लिए मुश्किल भरा होमवर्क था। 2017 में

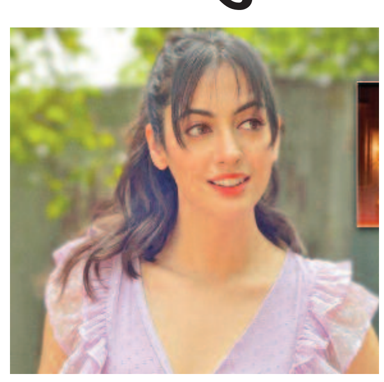

गुरु रंधावा के साथ एक म्यूजिक वीडियो, तारे में अभिनय करने के बाद, उन्होंने 2018 में कलीरें के साथ अपने टीवी करियर की शुरूआत की। वह नागिन 3, ये जादू है जिन्न का! और कई प्रोजेक्ट्स में भी देखी गईं। उन्होंने एक वेब सीरीज क्रैश भी काम किया। अब एक्ट्रेस रब से है दुआ शो में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जो दुआ और हैदर की एक प्रेम कहानी है, जिसे करणवीर ने निभाया है। यह दुआ पर केंद्रित है, जिसका जीवन उसके पति हैदर द्वारा दूसरी महिला से शादी करने की इच्छा व्यक्त करने के बाद पलट जाता है।

राम चरण के क्रिसमस पाटी में अल्लू अर्जुन समेत आए कई स्टार

मेगा पावर स्टार राम चरण ने अपनी पत्नी उपासना कोनिडेला के साथ हैदराबाद में अपने घर पर क्रिसमस पार्टी का आयोजन किया। हर साल की तरह कपल ने पार्टी की मेजबानी की, जिसमें राम चरण के सभी रिश्तेदार शामिल हुए। अल्लू अर्जुन, उनकी पत्नी स्नेहा समेत अन्य स्टार उत्सव में मौजूद रहे।
पार्टी में वरुण तेज, साई धर्म तेज, वैष्णव तेज, निहारिका, सिरीश, सुष्मिता, श्रीजा और अन्य शामिल हुए। इस अवसर पर खींची गई एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें सभी सितारे एक फ्रेम में हैं। प्रतिभागियों ने गेम्स और चिटचैट का आनंद लिया। सीक्रेट सैंटा गेम के विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए।

राम चरण के पिता मेगास्टार चिरंजीवी का परिवार फिल्म उद्योग में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। परिवार में 10 अभिनेता हैं। चिरंजीवी सूची का नेतृत्व करते हैं, जिसमें उनके भाई पवन कल्याण, पावर स्टार के रूप में लोकप्रिय और नागा बाबू शामिल हैं। अल्लू अर्जुन और अल्लू सिरीश जाने-माने निर्माता अल्लू अरविंद के बेटे हैं।
नागा बाबू के बेटे वरुण तेज और बेटी निहारिका अभिनेता हैं। चिरंजीवी की बहन विजया दुर्गा के बेटे साई धर्म तेज और वैष्णव तेज भी टॉलीवुड में मशहूर हैं। चिरंजीवी की बड़ी बेटी सुष्मिता एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं और छोटी श्रीजा एक गृहिणी हैं।

हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में खेलने को लेकर उत्साहित हैं जोश लिटिल

डबलिन, 25 दिसंबर 2022। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अनुबंध हासिल करने वाले आयरलैंड के पहले खिलाड़ी तेज गेंदबाज जोश लिटिल ने इसे अविश्वसनीय अवसर' करार दिया तथा कहा कि वह भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और मुख्य कोच आशीष नेहरा के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं।
मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटन्स ने कोच्चि में हुई आईपीएल नीलामी में 23 वर्षीय लिटिल को चार करोड़ 40 लाख रुपए में खरीदा था। टाइटंस ने हार्दिक की अगुवाई और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज नेहरा के कोच रहते हुए अपने पदार्पण सत्र में ही आईपीएल का खिताब जीता था। लिटिल ने क्रिकेट आयरलैंड के बयान में कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे मौजूदा चैंपियन गुजरात टाइटंस ने अनुबंधित किया है। मैं इतनी शानदार टीम में हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में खेलने को लेकर उत्साहित हूं।
उन्होंने कहा, मैं कोच आशीष नेहरा के साथ काम करने को लेकर भी उत्साहित हूं और टाइटंस के प्रबंधन को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2016 में अंतरराष्टीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और उन्होंने अभी तक 22 वनडे और 53 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं।

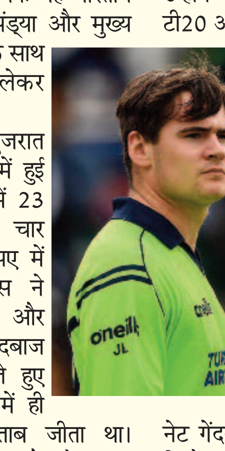

लिटिल ने कहा, मुझे आयरलैंड की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना पसंद है और यह हमेशा मेरी प्राथमिकता रहेगा, लेकिन आईपीएल में खेलना और वहां सीखना अविश्वसनीय अवसर होगा। मैं इसमें मेरा समर्थन करने के लिए क्रिकेट आयरलैंड का आभार व्यक्त करता हूं। लिटिल ने पिछले साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नेट गेंदबाज की भूमिका निभाई थी। क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस' निदेशक रिचर्ड होल्ड्सवर्थ ने कहा, हमें जोश के लिए खुशी है और उन्हें अगले साल के आईपीएल के लिए शुभकामनाएं देते हैं। जोश कड़ी मेहनत करने वाला और प्रतिबद्ध क्रिकेटर है जो कि आयरिश व्यवस्था में आगे बढ़ा है।

याद करोगे में साथ आए कावेरी प्रियम,रवि भाटिया और इमरान नजीर

दिल दियां गल्लां की अभिनेत्री कावेरी प्रियम,जोधा अकबर से चर्चा में आए रवि भाटिया और इमरान नजीर एक संगीत वीडियो याद करोगे में एक साथ नजर आएंगे। संदीप जायसवाल के गाए इस गीत की शूटिंग उदयपुर में की गई है। गीत के बोल संजीव श्रीवास्तव ने लिखे हैं और संगीत गौरव-संदीप का है।

इमरान ने कहा, इस गाने की शूटिंग उदयपुर में हुई है। यह एक प्रेम त्रिकोण के बारे में है। इसमें मेरी शादी कावेरी से हो रही है और रवि भाटिया उसके अंगरक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। मैडम सर के अभिनेता ने गीत में दर्शाई गई कहानी के बारे में और खुलासा करते हुए कहा, यह उदयपुर के शाही महल में सेट की गई कहानी है, जिसमें दिखाया गया है कि मैं और कावेरी शादी कर रहे हैं।
कावेरी उसके अंगरक्षक की भूमिका निभा रहे रवि भाटिया को धोखा देती है। वे दोनों पहले रिश्ते में थे। फिर, भाग दो में दिखाया जाएगा कि रवि को धोखा देते हुए पकड़ा गया था, जिस कारण कावेरी ने उसे छोड़कर मुझसे शादी करने का फैसला किया। सह-अभिनेताओं कावेरी और रवि के साथ काम करने के अपने अनुभव पर उन्होंने कहा, यह एक अद्भुत अनुभव था और साथ ही काफी चुनौतीपूर्ण भी था क्योंकि वहां काफी गर्मी थी। इसके अलावा, भारी वेशभूषा के साथ यह मुश्किल था। यह काम करने का एक मजेदार अनुभव था, क्योंकि हर कोई सेट पर एक-दूसरे को सहयोग दे रहा था। कावेरी और रवि के साथ काम करना मजेदार था। दोनों सच्चे इंसान हैं और प्यारे सह कलाकार हैं।

CMYK

राज्य सरकार ने भेजा राजभवन के 10 सवालों का जवाब

सीएम ने कहा...

अब हस्ताक्षर में न हो देरी

रायपुर,25 दिसम्बर 2022(ए)। राजभवन की ओर से आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर जिन 10 सवालों का जवाब राज्य सरकार से मांगा था, राज्य सरकार ने वो जवाब भेज दिया है। सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि आरक्षण विधेयक को लेकर राजभवन को जवाब भेज दिया गया है। अब राज्यपाल को हस्ताक्षर करने में देरी नहीं करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री साथ ही यह भी कहा है कि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, फिर भी सरकार ने जवाब राजभवन को भेजा है, अब हस्ताक्षर में देरी नहीं होनी चाहिए। आपको बता दें कि 2 दिसंबर को राज्य सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया था, जिसमें आरक्षण संशोधन से जुड़े 2 बिल पास कराए गए थे।

आरक्षण विधेयक विधानसभा में पारित होने के बाद तत्काल राजभवन भेजा गया था। मगर हस्ताक्षर से पहले राज्यपाल की ओर से 10 सवालों की एक सूची राज्य सरकार को भेजी गई थी, पिछले दिनों जब कांग्रेस विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला था प्रतिनिधिमंडल को भी सवालों की सूची राज्यपाल ने दी थी।

राज्य सरकार ने भेजा इन सवालों के जवाब

➡ संशोधित विधेयक में क्रमांक 18-19 पारित करने के पूर्व अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के संबंध में मात्रात्मक विवरण (डाटा) संग्रहित किया गया था?

➡ सुप्रीम कोर्ट में इंद्रा साहनी मामले के अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक विशेष एवं बाध्यकारी परिस्थितियों में ही आरक्षण दिया जा सकता है। अतः उक्त विशेष बाध्यकारी परिस्थिति का विवरण क्या है?

➡ राज्य शासन ने हाईकोर्ट में 19 सितंबर 2022 को 8 सारणी में विवरण भेजा था, जिस पर कोर्ट ने कहा था कि ऐसा कोई विशेष प्रकरण निर्मित नहीं है, कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण दिया जाए। इस निर्णय के बाद ऐसी क्या विशेष परिस्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके कारण आरक्षण की सीमा बढ़ाई गई?

➡ सुप्रीम कोर्ट में इंद्रा साहनी के मामले में कहा गया था कि एससी-एसटी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए नागरिकों में आते हैं। इस संबंध में राज्य के एससी-एसटी व्यक्ति किस प्रकार पिछड़े हुए हैं?

➡ मंत्री परिषद में महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्य के आरक्षण के प्रतिशत का उल्लेख है। इन राज्यों में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक किए जाने से पहले आयोग का गठन किया गया था। छत्तीसगढ़ में इसके लिए कौन सी कमेटी गठित की गई?

➡ सामान्य प्रशासन विभाग ने क्वांटिफाइबल डाटा आयोग के गठन का उल्लेख किया है, जिसकी रिपोर्ट शासन के पास है। यह रिपोर्ट राजभवन में प्रस्तुत क्यों नहीं की गई?

➡ सामान्य प्रशासन विभाग ने विभागीय प्रस्ताव अर्थात प्रस्तावित संशोधन के संबंध में शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग का अभिमत अपेक्षित होना लिखा है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन में शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग का क्या अभिमत है?

➡ विधेयक में नवीन धारा स्थापित कर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 4 प्रतिशत आरक्षण दिये जाने का प्रावधान किया गया है। क्या शासन को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए संविधान के अनुच्छेद 16(6) के तहत पृथक से अधिनियम लाना चाहिए था?

➡ हाईकोर्ट में राज्य शासन ने बताया है कि एससी-एसटी के व्यक्ति कम संख्या में चयनित हो रहे हैं। ऐसे में यह बताएं कि एससी-एसटी राज्य की सेवाओं में क्यों चयनित नहीं हो रहे हैं?

➡ एसटी को 32, ओबीसी को 27, एससी को 13, इस प्रकार कुल 72 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। यह आरक्षण लागू करने से प्रशासन की दक्षता का ध्यान रखा गया और क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण किया गया है?

दिल्ली में बैठे डेढ़ दर्जन सटोरियों को दबोचा राजधानी की पुलिस ने

महादेव ऑनलाईन बुकिंग एप्प में आई.डी. के माध्यम से किया जा रहा था ऑनलाईन सट्टे का संचालन

रायपुर,25 दिसम्बर 2022(ए)। पुलिस ने महादेव एप से जुड़े 18 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली में बैठकर महादेव ऑनलाइन बुकिंग ऐप्प में आईडी के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा का संचालन करते थे। सटोरियों के कब्जे से 7 लैपटॉप, 28 मोबाइल, 6 लैपटॉप चार्जर, 2 राउटर, 1 एटीएम कार्ड जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत 9,15,000 रुपये आंकी जा रही है।

इस तरह मिला दिल्ली के सटोरियों का लिंक

एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना गंज क्षेत्रांतर्गत होटल सत्कार गली के पास एक व्यक्ति लैपटॉप में महादेव ऐप्प के आईडी से ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा का संचालन कर रहा है। जिस पर एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट तथा थाना गंज की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम बलराम पाठक निवासी नेवई जिला दुर्ग का होना बताया।

टीम के सदस्यों द्वारा बलराम पाठक के लैपटॉप को चेक करने पर उसके द्वारा महादेव एप में आईडी के माध्यम से ऑनलाईन सट्टा संचालित करना पाया गया।

बलराम पाठक ने कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि वह अपने अन्य साथी फारूख रंगरेज, मोह. समीर, अभिमन्यु सिंह, विवेक सिंह, दिलीप कुमार वर्मा, संजय कुमार, तुषार नागदेव, तुषार कुमार साहू जो वर्तमान में दिल्ली के नवादा मेट्रो स्टेशन पास पिल्लर नं. 722 की गली स्थित एक कमरे में उपस्थितहैं, उनके साथ मिलकर महादेव एप में आईडी के माध्यम से ऑनलाईन क्रिकेट मैच, लक्की-07, डक्कन टाईगर लाईक, कसिनो गेम में सट्टा संचालित किया जा रहा है।

इसी तरह एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गोलबाजार पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना गोलबाजार क्षेत्रांतर्गत शास्त्री मार्केट स्थित मेजबान होटल के पास एक व्यक्ति को मोबाईल फोन में महादेव एप का आईडी बनाकर ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा का संचालन करते पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम समीर खान निवासी दुर्ग का होना बताया। समीर खान ने कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि वह अपने अन्य साथी राज साहनी, सतीश कुमार, रोहित लाल, राहुल कुमार, चंदन देवांगन, इम्तियाजुद्दीन, रितु सिंह एवं धनंजय सिंह जो वर्तमान में दिल्ली के नवादा के फिटनेस जिम पास स्थित एक कमरे में उपस्थित है, उनके साथ मिलकर महादेव एप में आईडी के माध्यम से ऑनलाईन क्रिकेट मैच, फुटबॉल, लूडो, लक्की-07, डक्कन टाईगर लाईक, कसिनो गेम में सट्टा संचालित किया जा रहा है।

दिल्ली में मौजूद टीम ने की कार्रवाई

दोनों सटोरियों से मिली जानकारी दिल्ली में पूर्व से ही उपस्थित एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट के 06 सदस्यीय टीम को दी गई। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा दिल्ली के दोनों स्थानों पर स्थित कमरों में जाकर छापे की कार्रवाई की गई। इस दौरान थाना गंज के प्रकरण में नवादा मेट्रो स्टेशन पास स्थित कमरे में 08 व्यक्ति उपस्थित पाये गये, जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम फारूख रंगरेज, मोह. समीर, अभिमन्यु सिंह, विवेक सिंह, दिलीप कुमार वर्मा, संजय कुमार, तुषार नागदेव तथा तुषार कुमार साहू होना बताये। इसके साथ ही नवादा फिटनेस जिम पास स्थित कमरे में भी 08 व्यक्ति उपस्थित पाये गये, जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम राज साहनी, सतीश कुमार, रोहित लाल, राहुल कुमार, चंदन देवांगन, इम्तियाजुद्दीन, रितु सिंह एवं धनंजय सिंह होना बताया।

सभी सटोरियों द्वारा अलग-अलग लैपटॉप एवं विभिन्न मोबाईल फोन में महादेव एप में आईडी के माध्यम से ऑनलाईन लाईव सट्टा संचालित किया जा रहा था। सभी 16 सटोरियों को गिरफ्तार कर दिल्ली से रायपुर लाया गया।

सटोरियों ने बदला अपना स्थान

इस कार्रवाई से इस बात का भी खुलासा होता है कि महादेव एप्प सट्टे के खिलाफ दुर्ग और रायपुर पुलिस की ताबड़-तोड़ कार्रवाई के चलते सटोरियों ने दूसरे सुरक्षित स्थानों से कारोबार चलाना शुरू कर दिया है, मगर सुराग लगने पर इनकी भी धर-पकड़ शुरू हो गई है। हालांकि पुलिस की इस तरह की कार्रवाई का सटोरियों पर कोई ख़ास असर होता नजर नहीं आ रहा है, क्योंकि काफी तादात में सटोरियों के पकडे जाने के बाद भी महादेव एप्प के माध्यम से सट्टा चलाने वालों की संख्या कम ही नहीं हो रही है।

नक्सलियों के हमले डीआरजी का जवान शहीद

छुट्टियों पर आया था अपने गृहग्राम बीजापुर

जगदलपुर ,25 दिसम्बर 2022(ए)। राजनादंगाव जिले में डीआरजी में पदस्थ जवान नक्सलियों के हमले में शहीद हो गया। जवान शनिवार को अपने गृहग्राम आया हुआ था, जहां नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने मौका पाकर जवान के सिर में हमला किया फरार हो गए। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने जवान को मेकाज रेफर करवाया, जहां देर रात अस्पताल पहुंचने के बाद जवान शहीद हो गया।

पुलिस के मुताबिक बीजापुर जिले के मिरतुर में रहने वाला आशाराम कड़ती राजनादगांव जिले में डीआरजी में आरक्षक के पद पर पदस्थ था। छुट्टी मिलने पर वह अपने घर मिरतुर आया हुआ था। मिरतुर के ही मंदिर पारा में जवान जब शनिवार को पहुंचा तो नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम के लोग पहले से ही घात लगाए बैठे थे। जवान को जैसे ही नक्सलियों ने देखा, पीछे से उसके सिर पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे जवान के सिर में गंभीर चोट आई।

जवान को पहले नेसलनार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी खराब हालत को देखते हुए उसे मेकाज भेज दिया। देर रात घायल जवान मेकाज पहुंचा, जहां इलाज के दौरान जवान शहीद हो गया।

अटल जी की मूर्ति लगाने को लेकर आपस में भिड़े कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता

दुर्ग ,25 दिसम्बर 2022(ए)। भिलाई स्थित कैंप क्षेत्र में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति लगाने को लेकर जमकर विवाद हो गया है। इस दौरान कांग्रेस और भाजपा के समर्थक आपस में ही भिड़ गए। मौके पर हुए पथराव कर दिया ढ्ढक्क अफसर और सीएसपी प्रभात कुमार घायल हो गए।

क्या है मामला

जिस क्षेत्र में पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा लगाने को लेकर विवाद हुआ है उस स्थान पर कांग्रेसी विधायक ओपन जिम बनाना चाहते थे। मगर भाजपा ने अपने समर्थकों के साथ यहां अटल जयंती का कार्यक्रम रख लिया। इसके बाद से सारा विवाद आरंभ हो गया।

बता दें आज रविवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती है। जिसे लेकर भाजपा अलग-अलग स्थानों में कार्यक्रम कर रही है। इसी कड़ी में इस क्षेत्र में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बीजेपी ने पहले ही इस गार्डन को अटल जी के नाम से कर दिया है। साथ ही रविवार को नेता अटल जी की मूर्ति स्थापित करने पहुंचे थे। मगर इस दौरान गार्डन में विवाद हो गया।

बाद में किसी तरह से दोनों पक्षों को शांत कराया गया है और गार्डन में ही अस्थाई रूप से मूर्ति को स्थापित किया गया। पुलिस के हस्तक्षेप के चलते यह मामला फिलहाल शांत हो गया है।

सीएएफ के एक जवान ने अपने ही दो साथियों पर कर दी ताबतोड़ फायरिंग

हेड कॉन्स्टेबल की मौत, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर,25 दिसम्बर 2022(ए)। कांकेर जिले में सीएएफ के एक जवान ने अपने ही दो साथियों पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से एक प्रधान आरक्षक की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि दूसरे आरक्षक ने भागकर अपनी जान बचाई। इस घटना के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मचा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक फायरिंग करने के बाद जवान मौके से फरार हो गया। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मामले की जांच पड़ताल जारी है। बताया जा रहा है कि जवान रात से ही तनाव में था।

जानकारी के मुताबिक उप चुनाव को लेकर सीएएफ 11वीं बटालियन के जवानों की ड्यूटी कांकेर पीजी कॉलेज के स्ट्रांग रूम में लगाई गई थी। फायरिंग से हेड कांस्टेबल सुरेंद्र भगत की मौत हो गई है। फायरिंग करने वाला आरक्षक पुरषोत्तम सिंग अभी भी फायरिंग करने के बाद रूम के अंदर बंद किया हुआ था, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया है।

छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी बस्तर संभाग में जवानों द्वारा अपने ही साथी जवानों पर फायरिंग की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अर्धसैनिक बलों के कैंप में भी कुछ दिनों पहले भी आपसी गोलीबारी की घटना हुई थी

रामसेतु पर बयान के लिए भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिए:सीएम बघेल

रायपुर,25 दिसम्बर 2022(ए)। पौराणिक कथाओं के अनुसार भारत और श्रीलंका के बीच समुद्र में बने रामसेतु को लेकर लगातार बहस होती रही है । इसी बीच अब केंद्र सरकार की तरफ से संसद में इसे लेकर जवाब दिया गया है । सरकार ने कहा है कि रामसेतु के वजूद के पूरे सबूत अभी नहीं मिले हैं। केन्द्र सरकार द्वारा राम सेतु के खिलाफ बयान को लेकर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है।

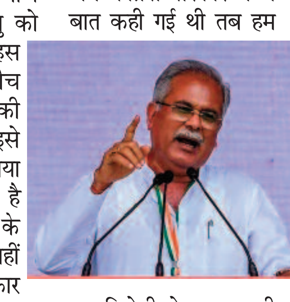

बघेल ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कहा कि इनका चरित्र है राम नाम जपना पराया माल अपना। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सरकार में ये बात कही गई थी तब हम राम विरोधी थे अब उनकी सरकार सदन में कहती है कि पुख्ता सबूत नही हैं। भूपेश बघेल ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इनको किस श्रेणी में रखा जाए. बघेल ने कहा कि बीजेपी ने देशवासियों को गुमराह किया है।

बघेल यहीं नहीं थमे और उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को देश से माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी इस बयान से खुद कटघरे में खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा के नेताओं को अब खुद अपनी सरकार से सवाल पूछना चाहिए। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने संसद में कहा है कि रामसेतु के अस्तित्व के अब तक पुख्ता प्रमाण नहीं मिले हैं. उसके बाद से इस पर राजनीति गरमाई हुई है विपक्षी दल बीजेपी पर हमलावर हो गए हैं।

डॉ.राकेश गुप्ता आईएमए रायपुर के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

रायपुर ,25 दिसम्बर 2022(ए)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के 2023 कार्यकाल के लिए सदस्यों की टीम का चुनाव संपन्न हुआ । चुनाव अधिकारी डॉ ललित शाह द्वारा घोषित कार्यकारिणी में डॉ . राकेश गुप्ता को आई. एम. ए. रायपुर का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया, उपाध्यक्ष डॉक्टर सतीश राठी और डॉक्टर तबस्सुम दल्ला भी निर्विरोध चुने गए।

डॉ दिग्विजय सिंह महासचिव के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष शुरू करेंगे।

राजधानी रायपुर के चिकित्सा जगत की सभी विधाओं के डॉक्टरों में से 30 से ज्यादा सदस्यों को कार्यकारिणी में रखा गया है। निवृतमान अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल ने बताया कि ढ्ढरूरायपुर के वरिष्ठ सदस्यों डॉ. ए आर दल्ला, डॉक्टर पी एल यदु, डॉ ललित शाह, डॉ महेश सिन्हा, डॉ मानिक चटर्जी डॉ विजय मखीजा, डॉ महेंद्र देवांगन, डॉ चंद्रिका साहू, डॉ अनूप वर्मा, डॉ.संदीप दवे को सलाहकार मंडल में शामिल किया गया है।

डॉ. अनिल जैन एवं डॉ वैभव जैन अस्पताल बोर्ड रायपुर के अध्यक्ष एवं महासचिव के रूप में अगले वर्ष भी कार्य करेंगे। डॉ अजय सहाय, डॉ श्याम शर्मा, डॉ आलोक चंद्र अग्रवाल, डॉ समित श्रीवास्तव, डॉ फिरोज मेमन, डॉ अरुण केडिया, डॉ आशा जैन, डॉ अशोक बजाज, डॉ विवेक पात्रे, डॉ प्रदीप शर्मा, डॉ अविनाश चतुर्वेदी, डॉ गिरीश अग्रवाल, डॉ अर्चना रंजन, डॉ भूपेंद्र गाठे, डॉ रिपुदमन अरोरा, डॉ मनीषा सिन्हा, डॉ अंकित सहाय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में टीम में शामिल रहेंगे।

गौरतलब है इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर पूरे प्रदेश में सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित नीतिगत निर्णय में स्वास्थ्य प्रशासकों के साथ सामंजस्य एवं प्रतिनिधि संस्था की महत्वपूर्ण कड़ी रूप में कार्य करती रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर की इकाई में अध्यक्ष के रूप में डॉक्टर राकेश गुप्ता का चयन पूरे प्रदेश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। छत्तीसगढ़ एवं रायपुर के सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

बर्खास्त सरपंच को न्यायालय ने किया बहाल

जयरामनगर में सरपंच के पद पर चुनाव की प्रक्रिया पर लगी रोक

बिलासपुर ,25 दिसम्बर 2022(ए)। राज्य निर्वाचन कार्यालय के निर्देश पर प्रदेश की उन पंचायतों जहां सरपंच व पंच के पद रिक्त हैं, चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जयरामनगर पंचायत में भी सरपंच पद के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। मगर जयरामनगर की बर्खास्त सरपंच गिरिजा देवी अग्रवाल को अपीलीय न्यायालय ने बहाल कर दिया है। न्यायालय के आदेश के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी है।

जिले की सबसे बड़ी पंचायतों में से एक जयरामनगर सरपंच गिरिजा देवी अग्रवाल को एसडीएम न्यायालय मस्तूरी द्वारा 18 अगस्त 2022 को बर्खास्त करते हुए छह वर्ष के लिए निर्वाचन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया था। अधिवक्ता अनिल सिंह चौहान द्वारा सरपंच की तरफ से प्रस्तुत अपील में अपीलीय न्यायालय/अतिरिक्त कलेक्टर बिलासपुर ने सभी पक्षों के तर्कों व तथ्यों के अवलोकन उपरांत एसडीएम न्यायालय के आदेश को निरस्त करते हुए सरपंच गिरिजा देवी को बहाल करते हुए अपील को स्वीकार कर लिया। दरअसल जयरामनगर सरपंच को एसडीएम द्वारा मस्तूरी न्यायालय में विचारण के दौरान ही निलंबित कर दिया गया था। इस पर हाई कोर्ट ने रोक लगाते हुए निर्णय का मार्गदर्शन दिया।

आरोप प्रमाणित नहीं होने पर भी किया बर्खास्त

विचारण उपरांत सरपंच जयरामनगर व पंच को एसडीएम न्यायालय द्वारा 18 अगस्त को पुनः बर्खास्त कर दिया गया। इसके विरुद्ध प्रस्तुत याचिका को हाईकोर्ट ने अपीलीय न्यायालय में अपील प्रस्तुत करने के आदेश के साथ निराकृत कर दिया था। अतिरिक्त कलेक्टर की अपीलीय न्यायालय ने अपील के गुण दोष के आधार पर एसडीएम न्यायालय में आरोप प्रमाणित नहीं होने पर भी बर्खास्तगी को अनुचित ठहराते हुए अपील को स्वीकार कर लिया। फ़िलहाल उप चुनाव पर रोक से बड़ी राहत अपील करने वालो को मिली है।

कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा का सीएम बघेल ने किया स्वागत

रायपुर ,25 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ प्रभारी के रूप में दायित्व मिलने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ आगमन पर कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा का प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम एवं मंत्रिमण्डल के वरिष्ठ साथियों, कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ रायपुर विमान तल पर स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ प्रभारी के रूप में दायित्व मिलने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ आगमन पर कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा जी का प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन मरकाम जी एवं मंत्रिमण्डल के वरिष्ठ साथियों, कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ रायपुर विमान तल पर स्वागत किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)